http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 82

प्रयागराज रविवार 08 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

हर घर में शौचालय निर्माण नारी गरिमा और पीएम-सीएम आवास नारी गौरव का प्रतीक: सीएम योगी

वाराणसी (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा 2014 में देश की बागडोर संभालने के बाद जिस नए भारत का निर्माण हुआ, उसमें महिलाओं के लिए सम्मानजनक स्थान बनाया गया। पीएम मोदी ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से जो कार्यक्रम प्रारंभ किया, उसके जरिए देश के अंदर प्रत्येक क्षेत्र में बेटियों द्वारा प्रतिभा का प्रदर्शन करके खुद को साबित किया जा रहा है। बेटियों का संरक्षण हर हाल में हो, उन्हें बचाया–पढ़ाया जा सके। सीएम ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की भाजपा सरकार का संकल्प है कि हर हाल में बेटी और उसके सम्मान की रक्षा करना है। साथ ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को बेटी के सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के साथ जोड़ना है और इसी के तहत सामूहिक विवाह का ऐतिहासिक कार्यक्रम हो रहा है। मुख्यमंत्री शनिवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पिंडरा के नेशनल इंटर कॉलेज में

आयोजित 401 जोड़ों के विवाह समारोह में उपस्थित हुए। सीएम ने नवदंपति को मंगलमय जीवन की शुभकामना देते हुए उन पर पुष्पवर्षा भी की। सीएम योगी ने कहा कि बेटियां जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नेतृत्व दे सकती हैं और इसी के लिए हर घर में शौचालय निर्माण नारी गरिमा का प्रतीक बना। पीएम–सीएम आवास योजना नारी गौरव का प्रतीक बना। धुएं से मुक्त करने के लिए उज्ज्वला योजना का फ्री कनेक्शन बहन–बेटियों की आंखों के साथ–साथ फेफड़ों की सुरक्षा का बड़ा कदम था। देश में 10 करोड़ और यूपी में इससे लगभग दो करोड़ परिवार लाभान्वित हुए। सीएम योगी ने कहा कि यह आयोजन संदेश दे रहा है कि हम सब सामूहिक रूप से मिलकर सामाजिक कुरीति पर जोरदार प्रहार कर सकते हैं। यह कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वैवाहिक बंधन में जुड़ रहे 401 वर–वधू का संकल्प महान, अभिनंदनीय, सराहनीय है। इन्होंने बाल विवाह और दहेज मुक्त विवाह के खिलाफ आवाज उठाकर कहा कि दहेज मुक्त वैवाहिक बंधन से जुड़कर खुद को पितृऋण व मातृऋण से उद्धृण करेंगे। कई बार दहेज रूपी दानव अनेक परिवारों के सामने संकट खड़ा करता है। कई बार दर्दनाक समाचार सुनने को मिलता है कि दहेज न देने के कारण वैवाहिक कार्यक्रम निरस्त हो जाते हैं। बेटियों का विवाह तय नहीं हो पाता है। ऐसे में उन सबसे अलग हटकर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से यह प्रयास प्रारंभ हुआ है। जिन युवाओं ने इस कार्यक्रम से खुद को जोड़ा है, वे और उनके अभिभावक अभिनंदन के पात्र हैं। सीएम योगी ने कहा कि महिला स्वयंसेवी समूह के माध्यम से तीन करोड़ लखपति दीदी के निर्माण का बड़ा लक्ष्य भी पीएम मोदी का अभियान है। आयुष्मान भारत में 70 वर्ष से ऊपर हर व्यक्ति को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा का कवर मिलना प्रारंभ हो गया है। सीएम योगी ने कहा कि पीएम की प्रेरणा से हम लोगों ने 2017 में सामूहिक विवाह कार्यक्रम प्रारंभ किया था। सरकार 51 हजार रुपये देती है। इसमें 10 हजार रुपये से वर–वधू के कपड़े व अन्य सामान उपलब्ध कराते हैं। 35 हजार रुपये वधू के खाते में जमा होते हैं और छह हजार रुपये पंडाल समेत अन्य मद में खर्च कर भव्यता से यह कार्यक्रम कराते हैं। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत अब तक चार लाख से अधिक बेटियों की शादी संपन्न हो चुकी है। दूसरी तरफ एक करोड़ परिवारों को डबल इंजन सरकार 12 हजार रुपये सालाना (दिव्यांगजन, वृद्धावस्था व निराश्रित महिला पेंशन) की सुविधा दे रही है। सीएम योगी ने कहा कि डॉ. अवधेश सिंह ने पिंडरा के अंदर इतना बड़ा यज्ञ किया है। देवयज्ञ का पुण्य तो प्राप्त होता ही है, सद्गृहस्थ के लिए सबसे बड़ा यज्ञ कन्यादान है। 401 बेटियों के सामूहिक विवाह से जुड़ना हम सबके लिए गौरवपूर्ण है। यदि घर में शादी करते तो संभवतः एक साथ इतनी संख्या में लोग नहीं आ पाते, लेकिन इन दंपतियों को पूर्व जन्म का पुण्य फल प्राप्त हो रहा है कि इनके विवाह का निमंत्रण पत्र वितरण का कार्य जिलाधिकारी व जनपद के वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं।

सैनिकों का कल्याण सुनिश्चित करना देश की सामूहिक जिम्मेदारी : राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देशवासियों से सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान करने का आह्वान करते हुए कहा है कि सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों सैनिकों के कल्याण को सुनिश्चित करना देश की सामूहिक जिम्मेदारी बताया है। श्री सिंह ने शनिवार को इस अवसर पर अपने वीडियो संदेश में कहा कि यह दिन नागरिकों के लिए सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान तथा समर्पण को पहचानने और इनके प्रति जिम्मेदारियों को पूरा करने के संकल्प की पुष्टि करने का अवसर होता है। उन्होंने कहा, "हमारे सशस्त्र बल एक अभेद्य सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करते हैं, जो हर स्थिति में हमारी रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, न केवल बाहरी खतरों से, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी। उनका बलिदान और हमारे सैनिकों का अनुशासन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।" पूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि पूर्व सैनिकों और उनके

परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपनी भूमिका निभाने का आग्रह करते हुए इस बात पर जोर दिया कि उनका योगदान सैनिकों और उनके परिजनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण के लिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह सौ हाथों से कमाए और हजार हाथों से दान दे। यह दिन हर वर्ष शहीद नायकों और जवानों को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है जो मातृभूमि की रक्षा के लिए सीमाओं पर बहादुरी से लड़ते हैं। रक्षा मंत्रालय का भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग युद्ध विधवाओं, शहीद सैनिकों के आश्रितों और विकलांगों सहित भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए काम कर रहा है। विभाग पूर्व सैनिकों की व्यक्तिगत जरूरतों जैसे गरीबी अनुदान, शिक्षा अनुदान, अंत्येष्टि अनुदान, चिकित्सा अनुदान और अनाथ ,विकलांग बच्चों का अनुदान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस सैनिकों की वीरता और बलिदान को सलाम करने का दिन : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस देश के साहसी सैनिकों की वीरता, दृढ़ संकल्प और बलिदान को सलाम करने का दिन है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान देने का आग्रह किया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, "सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमारे साहसी सैनिकों की वीरता, दृढ़ संकल्प और बलिदान को सलाम करने के बारे में है। उनकी बहादुरी हमें प्रेरित करती है, उनका बलिदान हमें विनम्र बनाता है और उनका समर्पण हमें सुरक्षित रखता है। आइए सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में भी योगदान दें।"

यह दिन हर वर्ष शहीद नायकों और वर्दी में जवानों को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है जो मातृभूमि की रक्षा के लिए सीमाओं पर बहादुरी से लड़ते हैं। रक्षा मंत्रालय का भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग युद्ध विधवाओं, शहीद सैनिकों के आश्रितों और विकलांगों सहित भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए काम कर रहा है। विभाग पूर्व सैनिकों की व्यक्तिगत जरूरतों जैसे गरीबी अनुदान, शिक्षा अनुदान, अंत्येष्टि अनुदान, चिकित्सा अनुदान और अनाथ, विकलांग बच्चों का अनुदान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

परोपकार के मूल्यों से राष्ट्र को प्रेरित करता है गुजरात :

अहमदाबाद, एजेंसी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट जैसे संगठन कल्याणकारी राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और राज्य अपनी सेवा और परोपकार के मूल्यों से राष्ट्र को प्रेरित करता रहता है।" श्री शाह ने गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट के 34 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज मनाए गए लोकसेवा के उत्सव पर कहा, "गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट अपने 35वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, मैं ट्रस्टियों को उनके नेक और निस्वार्थ प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। मैं आज इस संगठन द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करता हूं। जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था, सच्चा ज्ञान दूसरों की सेवा करने के लिए खुद से ऊपर उठने में निहित है। यह ट्रस्ट सेवा और करुणा की इसी भावना का उमदा उदाहरण है।"

उन्होंने इस अवसर पर भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति द्वारा परिकल्पित जन कल्याण के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया और कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से सरकार ने नागरिकों को आवास, भोजन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने कहा,"इन पहलों ने पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। हालांकि, मेरा दृढ़ विश्वास है कि सरकार अकेले यह लक्ष्य हासिल नहीं कर सकती। कई ट्रस्टों और व्यक्तियों ने इसे साकार करने में योगदान दिया है।" केंद्रीय गृह मंत्री ने सेवा के प्रति गुजरात के गहरे मूल्यों की भी सराहना की तथा प्रति व्यक्ति रक्तदान, धर्मार्थ स्वास्थ्य सुविधाओं तथा अंग एवं नेत्रदान में गुजरात के नेतृत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा,"गुजरात अपनी सेवा और परोपकार के मूल्यों से राष्ट्र को प्रेरित करता रहता है। गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट जैसे संगठन कल्याणकारी राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी रोहन गुप्ता ने कहा,"34 वर्षों की यह यात्रा करुणा और सेवा की शक्ति को दर्शाती है। हम हर साल 20–25 हज़ार लाभार्थियों की पहचान करते हैं और उनकी सहायता करते हैं। पिछले दो वर्षों में, हमने दो लाख से ज़्यादा लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मदद की है। अपने 35वें वर्ष में कदम रखते हुए, हम वृद्ध, विद्यार्थी, विकलांग, विधवा और वंचित लोगों के उत्थान के लिए अपने प्रयासों को जारी रखने और एक सार्थक बदलाव लाने के लिए और भी अधिक दृढ़ संकल्पित हैं।"

मायावती ने सपा-कांग्रेस पर बोला हमला, कहा- दोनों दल मुस्लिम वोट के लिए संभल- संभल चिल्ला रहे हैं

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बसपा प्रमुख मायावती ने बांग्लादेश में दलित हिन्दुओं की हत्या को लेकर सपा, कांग्रेस को लेकर जमकर खरी खोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दू बड़ी संख्या में अपराधों का शिकार हो रहे हैं, उनमें से ज्यादातर दलित कमजोर लोग हैं जो लोग दलितों की बाद करते हैं उनके मुंह से आवाज नहीं निकल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल संभल– संभल चिल्ला रही है। क्योंकि अब सपा और कांग्रेस को केवल दलितों का वोट लेना है न कि उनके अधिकार की बात करती है। मायावती ने कहा कि जब दलित कमजोर तबके के लोगों पर अत्याचा होता है तो कांग्रेस पार्टी चुप है और अब केवल मुस्लिम वोट के लिए संभल संभल चिल्ला रही है। इस मामले में कांग्रेस, सपा और उसके समर्थक एक ही थाली के चट्टे–बट्टे हैं। ऐसे में केंद्र सरकार जो भाजपा के नेतृत्व में चल रही है उसे अपनी जिम्मेदारी को आगे बढ़ चढ़ कर निभाए। ताकि दलित वर्ग के लोग जो शोषण का शिकार हो रहे हैं उन्हें और ज्यादा शिकार ना होना पड़े। या फिर कांग्रेस की जिस गलती का उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है उन्हें वहां की सरकार से बात–चीत कर भारत वापस लाया जाए। मायावती ने कहा 'संसद में विपक्ष देश और जनहित के मुद्दों को नहीं उठा रहा है। अपने राजनीतिक हितों के लिए खास तौर पर सपा और कांग्रेस पार्टी संभल में हिंसा के बहाने मुस्लिम वोटर्स को खुश करने की कोशिश कर रही हैं। उनका बाकी मुद्दों से कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा, 'इतना ही नहीं ये पार्टियां संभल में मुस्लिम समुदायों को आपस में लड़वा रही हैं। मुस्लिम समुदाय को भी सतर्क रहना होगा।

मुर्मु ने रायरंगपुर में विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

भुवनेश्वर, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा की पांच दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन शनिवार को रायरंगपुर में तीन नयी रेलवे लाइनों तीन रेल लाइनों बांगिरिपोसी–गोरुमहिसानी, बुरामारा–चाकुलिया और बादामपहाड़–केंदुझारगढ़ लाइन की आधारशिला रखी। सुश्री मुर्मु ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आदिवासी अनुसंधान एवं विकास केंद्र, दंडबोस हवाई अड्डे के उन्नयन और रायरंगपुर उप–मंडल अस्पताल में एक नये ब्लॉक के निर्माण की भी आधारशिला रखी। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में विश्वास जताया कि रेल परियोजनाएं और हवाई अड्डा क्षेत्र में परिवहन, वाणिज्य और व्यापार को बढ़ावा देंगे तथा 100 बिस्तरों वाली सुविधा वाला नया अस्पताल भवन स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ओडिशा भारत सरकार के पूर्वोदय दृष्टिकोण से लाभान्वित हो रहा है। शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन संपर्क और परिवहन सुविधाओं सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से पूरे क्षेत्र के विकास को गति दी जा रही है। आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि ओडिशा में 100 से अधिक नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें मयूरभंज जिले के 23 स्कूल शामिल हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उन स्कूलों से शिक्षा प्राप्त करने के बाद, आदिवासी बच्चे समाज और देश की प्रगति में गुणवत्तापूर्ण योगदान दे सकेंगे। राष्ट्रपति ने कहा , " मुझे हमेशा इस धरती की बेटी होने पर गर्व रहा है। जिम्मेदारियों और व्यस्त कार्यक्रमों ने मुझे कभी भी अपने जन्मस्थान और यहां के लोगों से दूर नहीं किया , बल्कि लोगों का प्यार उन्हें अपनी ओर खींचता रहता है। मातृभूमि मेरे विचारों और कार्यों में बनी हुई है। इस क्षेत्र के लोगों का शुद्ध और गहरा स्नेह हमेशा मेरे मन में गूंजता है।"

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, नरसंहार के 8 दोषियों को जमानत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) के 16 पूर्व सदस्यों में से आठ को जमानत दे दी, जिन्हें हाशिमपुरा नरसंहार मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा बरी किए जाने के फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय ने पलट दिया था। न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने उनकी दलील पर ध्यान दिया कि 2018 में उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें बरी करने के फैसले को पलटने के बाद वे लंबे समय तक कारावास की सजा भुगत रहे थे। दोषियों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने तर्क दिया कि 2015 ट्रायल कोर्ट के बरी करने के फैसले को पलटने का उच्च न्यायालय का फैसला गलत था। उच्च न्यायालय ने प्रमुख सबूतों की अनदेखी की और इस सिद्धांत की अनदेखी की कि बरी करने के फैसले को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि दो दृष्टिकोण संभव हैं। तिवारी ने मुकदमे और अपील प्रक्रियाओं के दौरान अभियुक्तों के अनुकरणीय आचरण पर भी प्रकाश डाला। हाशिमपुरा नरसंहार देश की आजादी के बाद के इतिहास में सांप्रदायिक हिंसा के सबसे काले प्रकरणों में से एक है। 22 मई 1987 को मेरठ में सांप्रदायिक दंगों के दौरान, पीएसी की श्सी–कंपनीश 41वीं बटालियन के कर्मियों ने 42 मुस्लिम लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। पीड़ितों को एक लॉरी में ले जाया गया, करीब से गोली मारी गई और उनके शवों को गंग नहर और हिंडन नहर में फेंक दिया गया। जबकि कुछ लोग गोलीबारी से बच गए और अत्याचार के गवाह बने बाद में केवल 11 शवों की पहचान की गई, जबकि कई पीड़ितों के अवशेष कभी बरामद नहीं हुए। यह नरसंहार कथित तौर पर एक सैन्य अधिकारी के भाई की हत्या और क्षेत्र में असामाजिक तत्वों द्वारा राइफलों की चोरी के प्रतिशोध में किया गया था। इस घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया और इसकी व्यापक निंदा हुई। उत्तर प्रदेश अपराध शाखा, आपराधिक जांच विभाग (सीबी–सीआईडी) द्वारा की गई प्रारंभिक जांच, 1996 में 18 पीएसी कर्मियों के खिलाफ आरोप पत्र में समाप्त हुई, जिसमें एक पूरक आरोप पत्र में 19वां आरोपी जोडा गया।

पूंजीपति को छूट ,गरीब की लूट वाले टैक्स के खिलाफ हमारी लड़ाई : राहुल

● वस्तु एवं सेवा कर– जीएसटी तथा अन्य कई तरह के कर लगाकर आम लोगों को महंगाई की आग में झोंका

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मोदी सरकार अमीरों को राहत दे रही है और गरीबों को लूटकर पूंजीपतियों का पोषण कर रही है। श्री गांधी ने कहा कि सरकार गरीबों को लूट रही है और पूंजीपतियों को सहूलियत दे रही है और उन्हें करों से राहत दे रही है। वस्तु एवं सेवा कर– जीएसटी तथा अन्य कई तरह के कर लगाकर आम लोगों को महंगाई की आग में झोंकाकर उनका जीवन मुश्किल किया जा रहा है। उन्होंने कहा "पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ़ कॉरपोरेट टैक्स के मुक़ाबले इनकम टैक्स लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ़ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और

ज़्यादा वसूली की तैयारी कर रही है। सुनने में आ रहा है कि जीएसटी से लगातार बढ़ती वसूली के बीच सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है —आपकी ज़रूरत की चीज़ों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना है।" कांग्रेस नेता ने कहा "ज़रा सोचिए – अभी, शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई–पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच 1500 रुपये से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने जा रही है। यह घोर अन्याय है – अरबपतियों को टैक्स में छूट देने और उनके बड़े से बड़े कर्ज़ माफ़ करने के लिए ग़रीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की मेहनत की कमाई को टैक्स द्वारा लूटा जा रहा है।" उन्होंने कहा "हमारी लड़ाई इसी अन्याय के ख़िलाफ़ है। आम लोगों पर पड़ रही टैक्स की मार के ख़िलाफ़ हम मजबूती से आवाज़ उठाएंगे और इस लूट को रोकने के लिए सरकार पर दबाव बनाएंगे।"

सम्पादकीय

नरेंद्र मोदी सरकार अमीरों पर सुपर टैक्स लगाने के मुद्दे पर चुप क्यों

नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दूसरे बजट को संसद में पेश किये जाने में दो महीने से भी कम समय बचे हैं। वित्त वर्ष 2025–26 के इस केन्द्रीय बजट को अगले साल फरवरी में संसद में पेश किया जाना है। वित्त मंत्रालय में बजट की कवायद जारी है और विकास व्यय को पूरा करने के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था की दो प्रमुख चुनौतियों में बड़े पैमाने पर नौकरियों का सृजन और निचले स्तर के लोगों की आय में सुधार शामिल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे बेरोजगारों, खासकर महिलाओं और शिक्षित युवाओं के लिये नयी नौकरियों के सृजन के कार्यक्रमों के वित्तपोषण के लिए सुपर अमीरों से अतिरिक्त संसाधन जुटायें। मुकेश अंबानी परिवार और कुछ अन्य व्यवसायियों और फिल्मी सितारों के परिवारों में हाल ही में हुई शादी की धूमधाम ने दिखाया है कि एक सुपर अमीर व्यक्ति अपने बेटे या बेटी की शादी के लिए किस हद तक धन खर्च कर सकता है। भारत में सुपर अमीरों का एक ट्रिलियन डॉलर का विवाह उद्योग है। इनमें उद्योगपति, खिलाड़ी, फिल्मी हस्तियां और उच्च पदस्थ राजनेता शामिल हैं। उनकी शादी के खर्चों की जांच की जानी चाहिए और एक सीमा से अधिक कर लगाया जाना चाहिए। एक अनुमान के अनुसार, भारत में 170 से अधिक डॉलर–अरबपति हैं और यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। दो प्रतिशत कर से 1.5 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। यह राशि श्रम प्रधान परियोजनाओं में रोजगार सृजन सहित विकास कार्यकक्रमों पर खर्च की जा सकती है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ प्रणब बर्धन द्वारा किये गये विश्लेषण के अनुसार, सरकार द्वारा संपन्न लोगों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सब्सिडी को कम करके अतिरिक्त संसाधन उत्पन्न किये जा सकते हैं। भारत में, विरासत और संपत्ति कर शून्य है और पूंजीगत लाभ कर संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में बहुत कम है। कर प्रणाली अभी भी अमीरों के पक्ष में झुकी हुई है। उदाहरण के लिए, महामारी के संदर्भ में मोदी सरकार ने एक ही झटके में कॉर्पोरेट टैक्स की दर कम कर दी और सरकारी खजाने को 18.4 खरब रुपये का नुकसान हुआ। डॉ. बर्धन का अनुमान है कि 10 खरब रुपये के फंड से भारत में 200 लाख नौकरियां पैदा की जा सकती हैं। भारत के लिए, सुपर रिच पर विशेष कर लगाना बहुत समय से लंबित है। इस साल जनवरी में जारी नवीनतम ऑक्सफैम रिपोर्ट सहित सभी हालिया रपटों से पता चलता है कि असमानता लगातार बढ़ रही है। महामारी और महामारी के बाद के वर्षों में, बिना किसी सामाजिक सुरक्षा के गरीब लोगों की जीवन स्थिति दयनीय है, जबकि उच्च मध्यम वर्ग और अमीरों की आय में वृद्धि हुई है। असमानता के बढ़ने का भारत में विशेष प्रभाव पड़ता है क्योंकि आम नागरिकों को पश्चिम और लैटिन अमेरिका के कई अन्य देशों और अन्य विकासशील देशों की तरह सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से संरक्षित नहीं किया जाता है। ऑक्सफैम रिपोर्ट के अनुसार, भारत केवल पांच हाथों में बढ़ते औद्योगिक संकेन्द्रण का सामना कर रहा है, और अरबपतियों, निजी इक्विटी फंडों और मित्र पूंजीपतियों को समृद्ध कर रहा है, जिससे लोगों के बीच असमानता और गरीबी का अभूतपूर्व स्तर बढ़ रहा है। दलितों को निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उच्च और असहनीय आउट–ऑफ–पॉकेट शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में वित्तीय बहिष्कार और दोनों में खुला भेदभाव। कई वर्षों से ऑक्सफैम ने बढ़ती और अत्यधिक असमानता के बारे में चिंता जतायी है। 2024 में, सबसे बड़ा खतरा यह है कि ये असाधारण चरम सीमाएं नयी सामान्य स्थिति बन जायेंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कॉर्पोरेट और एकाधिकार शक्ति एक निरंतर असमानता पैदा करने वाली मशीन है, साथ ही यह भी कहा गया है कि हम एक दशक के विभाजन की शुरुआत के दौर से गुजर रहे हैंरू सिर्फ तीन वर्षों में, हमने एक वैश्विक महामारी, युद्ध, जीवन–यापन की लागत का संकट और जलवायु परिवर्तन का अनुभव किया है। प्रत्येक संकट ने खाई को चौड़ा किया है – अमीरों और गरीबी में रहने वाले लोगों के बीच ही नहीं, बल्कि कुलीनतंत्र और विशाल बहुमत के बीच भी। सुपर रिच पर कर लगाने के बारे में जी–20 शिखर सम्मेलन की ऐतिहासिक घोषणा निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रगतिशील कराधान की वैश्विक खोज में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कर सहयोग पर एक नया संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन नियम आधारित प्रणाली को तैयार करने के लिए आयोजित किया जा रहा है जो विकासशील देशों, विशेष रूप से अफ्रीकी देशों के लिए बहुत फायदेमंद होगा। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के नेतृत्व में जी–20 की अध्यक्षता की मजबूत स्थिति ने नवंबर के शिखर सम्मेलन में अमीर देशों को समावेशी विकास को बढ़ावा देने और अफ्रीकी देशों को अधिक संसाधनों के हस्तांतरण के लिए प्रभावी रूप से प्रतिबद्ध होने के लिए मजबूर किया। नवंबर शिखर सम्मेलन में, जी–20 राष्ट्रों ने यह सुनिश्चित करने के लिए सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की कि सुपर–रिच पर कर लगाया जाये। जी–7 ने भी कम से कम इस बात पर सहमति व्यक्त की कि सुपर–रिच पर कम कर लगाना एक समस्या है जिसे ठीक किया जाना चाहिए। यूनाईटेड किंगडम सरकार ने एक बजट पेश किया जिसमें करोड़पतियों और निगमों पर उचित कर लगाना शामिल है, और फ्रांस की रूढ़िवादी सरकार ने शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए योगदान करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। संयुक्त राज्य अमेरिका में, राष्ट्रपति चुने गए डोनाल्ड ट्रम्प सुपर रिच पर कर लगाने के पक्ष में नहीं हैं, बल्कि वे वास्तव में अपनी मेगा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) नीति के एक हिस्से के रूप में कर कटौती की वकालत कर रहे हैं। लेकिन आर्थिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहा जर्मनी अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रीय चुनावों के बाद नये गठबंधन के सत्ता में आने के बाद इस मुद्दे पर फैसला ले सकता है। भारत अब राजनीतिक रूप से स्थिर है और दुनिया के अन्य देशों की तुलना में विकास दर आरामदायक है। लेकिन असली समस्या असमानता का बढ़ना और भारी बेरोजगारी है। मोदी सरकार का बेरोजगारी पैदा करने वाला विकास मॉडल अपने तीसरे कार्यकाल में भी जारी है। मोदी सरकार के पास इस बार 2025–26 के बजट प्रस्तावों में सुपर अमीरों पर कर लगाकर भारी संसाधन जुटाने और उन अतिरिक्त निधियों को रोजगार सृजन और वंचितों की आय में सुधार के लिए सुनियोजित करने का एक बड़ा अवसर है। 2025–26 के बजट में इस कर को लागू करने की मांग में इंडिया ब्लॉक पार्टियों को भी समान रूप से मुखर होना चाहिए। एक बार में भारी मात्रा में अतिरिक्त संसाधन जुटाने का यही एकमात्र तरीका है।

बुद्धिजीविता बनाम व्यक्ति निर्माणः संघ की दूरगामी दृष्टि

शिवेश प्रताप

संघ न तो व्यक्ति को केवल बुद्धि आधारित जीवन जीने की शिक्षा देता है और न ही ऐसी किसी प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। अपनी प्रार्थना में संघ का स्वयंसेवक "सुशीलं जगद्येन नम्रं भवेत्" कहकर ऐसा शुद्ध शील–चारित्र्य मांगता है जिसके समक्ष सम्पूर्ण विश्व नतमस्तक हो जाये। हाल ही में आजतक के साहित्यिक मंच पर पत्रकार राहुल देव और कवि नरेश सक्सेना ने एक गंभीर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ष्आरएसएस सौ साल से बौद्धिक कर रहा है, किंतु आज तक ऐसा कोई बुद्धिजीवी नहीं पैदा कर पाया, जिसका नाम संघ के बाहर कोई जानता हो।ष यह सवाल जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही विचारणीय भी। ऐसा कह इस कवि–पत्रकार द्वय ने अपने वैचारिक दिवालियेपन से समाज का परिचय कराया और यह बताया की ये बेचारे संघ की रीति और नीति से कितने अनभिज्ञ हैं। इन्हें यह समझना चाहिए की वामपंथ की तरह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) खालिस बुद्धिजीवी पैदा करने की फैक्ट्री नहीं है। संघ का उद्देश्य वास्तविक चरित्र–व्यक्ति निर्माण है, न कि बुद्धिजीविता से कुण्ठित भीड़ का सृजन।

संघ न तो व्यक्ति को केवल बुद्धि आधारित जीवन जीने की शिक्षा देता है और न ही ऐसी किसी प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। अपनी प्रार्थना में संघ का स्वयंसेवक "सुशीलं जगद्येन नम्रं भवेत्" कहकर ऐसा शुद्ध शील–चारित्र्य मांगता है जिसके समक्ष सम्पूर्ण विश्व नतमस्तक हो जाये। संघ का उद्देश्य बुद्धि को बढ़ावा देना नहीं है, संघ विचार को बढ़ावा देता है। "विजेत्री च नः संहता कार्यशक्ति" कहकर हम विजयशालिनी संघठित कार्यशक्ति के द्वारा "परं वैभवं नेतुमेतत् स्वराष्ट्रं" यानि राष्ट्र के वैभव को उच्चतम शिखर पर पहुँचाने का सामर्थ्य मांगते हैं। संघ का हर कार्य आत्मभाव, समर्पण और त्याग पर आधारित है। संघ व्यक्ति निर्माण और चरित्र निर्माण का मंच है। इसका लक्ष्य हर स्वयंसेवक को भारत माता की सेवा के लिए तैयार करना है। संघ के लिए बुद्धिजीविता साध्य नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने वाले व्यक्तियों को तैयार करने का माध्यम है।

आज के समाज में बुद्धिजीविता को एक शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन यह समझना आवश्यक है कि बुद्धिजीविता केवल क्षणिक परिवर्तन ला सकती है। इसके विपरीत, व्यक्ति निर्माण का प्रभाव दीर्घकालिक और समाज के हर क्षेत्र में सकारात्मक होता है। संघ बुद्धिजीविता की अल्पकालिक चमक के बजाय व्यक्ति निर्माण के दीर्घकालिक प्रभाव में विश्वास रखता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) इसी व्यक्ति निर्माण की दिशा में पिछले सौ वर्षों से कार्य कर रहा है।

पूर्व राज्यपाल आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री जी कहा करते थे की बुद्धिजीवी का अर्थ है ऐसा व्यक्ति जो अपनी बुद्धि के आधार पर जीविका चलाता हो। जब बुद्धि के आधार पर जीविका चलाने को महिमामंडित किया गया, तब समाज में कई गंभीर समस्याएं उत्पन्न हुईं। बीते दशकों में यह सत्य भी होता दिखाई दिया है, डॉक्टरों ने मरीजों को केवल पैसा कमाने का साधन मान लिया, शिक्षकों ने कक्षाओं से गायब होकर ष्अर्बन नक्सलष बनने का रास्ता चुना और छात्रों ने ष्टुकड़े–टुकड़े गैंगष बनाकर समाज में विघटनकारी गतिविधियों को बढ़ावा दिया। वामपंथी बुद्धिजीविता ने समाज को हिंसा, विभाजन और अशांति के अलावा कुछ नहीं दिया। यह बुद्धिजीविता पूंजीवादी नेक्सस का हिस्सा बनकर समाज को खोखला करती है। वामपंथ ने श्रमिकों को ष्बुद्धिजीवीष बनने का सपना दिखाया, लेकिन इसके परिणामस्वरूप कलकत्ता से कानपुर तक औद्योगिक संयंत्र बंद हो गए। श्रमजीवी लोगों को दाने–दाने का मोहताज कर दिया। इस विचारधारा ने परिवार और सामाजिक मूल्यों को कमजोर किया और देशभक्ति व सांस्कृतिक चेतना पर भी आघात किया।

राहुल देव और नरेश सक्सेना को याद दिलाना चाहता हूं कि आज वह जिस बुद्धिजीविता का महिमा मंडन कर रहे हैं इस वामपंथी बुद्धिजीविता के राजनैतिक गढ़ त्रिपुरा को कुछ वर्ष पहले संघ के चार समर्पित स्वयंसेवकों श्री श्यामलकांति सेनगुप्ता, श्री दीनेंद्र डे, श्री सुधामय दत्त तथा श्री शुभंकर चक्रवर्ती ने अपने प्राणोत्सर्ग से उखाड़ फेंका। इन चारों को अपहरण 6 अगस्त 1999 को त्रिपुरा के कंचनपुर के वनवासी कल्याण आश्रम के छात्रावास से हुआ था और बाद में उनकी हत्या कर दी गई थी। आपकी सोने की बनी बुद्धिजीवी लंका को व्यक्तिनिर्माण की पूंछ ही जलाकर भस्म करती है। त्रिपुरा ने व्यक्ति निर्माण से आपकी बुद्धिजीविता को उत्तर दिया, आगे और भी नाम जुड़ेंगे। वामपंथी और पूंजीवादी नेक्सस आज इतना मजबूत हो चुका है कि पूरी दुनिया इसके प्रभाव में है। राष्ट्र की संकल्पना में बुरु तरह विफल वामपंथी बुद्धिजीविता ने अब अपना रूप बदल समाज में भ्रम फैलाकर परिजीवी के रूप में पूंजीवाद को प्रश्रय दे रहा है। अमेरिका से भारत तक बुद्धिजीविता ने पूंजीवाद की दासी बनकर राजनीति और समाज में अपनी जगह बनाई। भारत से लेकर अमेरिका तक राष्ट्रभाव का उत्थान इन परिजीवियों के लिए संकट के रूप में खड़ा हुआ है इसलिए ये इतने बेचैन हैं। राहुल देव और नरेश सक्सेना का यह सवाल कि ष्संघ ने कोई बुद्धिजीवी क्यों नहीं पैदा किया?ष उचित है और इस तरह से वामपंथी गिरोह के हरावल दस्ते के दो बेरोजगार सेनापति आज जब अपने पुराने बुद्धिजीवी अखाड़े में संघ को ललकार रहे हैं तो यह नास्टैल्जिया उनकी बेचारगी को प्रगट कर रहा है। राहुल देव और नरेश सक्सेना जी काश आप इस विषय पर भी विचार करते की जिस देश को तोड़ने के लिए आने वैचारिक पूर्वज लगे रहे और पाकिस्तान बनवाया तो उस पाकिस्तान में आपका बुद्धिजीवी अवशेष क्यों नहीं मिलता? पुनः एक बार कहना चाहूँगा संघ बुद्धिजीवी पैदा करने का मंच नहीं है। यह एक सामाजिक और सांस्कृतिक यज्ञ है जिसमें सौ वर्षों से अनगिनत प्रचारकों, स्वयंसेवकों नें "मैं नहीं, तू ही" कह–कह कर स्व जीवन की आहुति दे दिया है। संघ का उद्देश्य व्यक्ति को राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए तैयार करना है। संघ के चरित्रबल और कार्यों ने यह सिद्ध किया है कि समाज का उत्थान बुद्धिजीविता से नहीं, बल्कि नैतिकता और त्याग से होता है। वामपंथी बुद्धिजीविता जहां समाज में विभाजन और अशांति का कारण बनी है, वहीं संघ ने अपने सौ वर्षों के साधना से शांति, समरसता और राष्ट्रभक्ति का दीप जलाया है।

आंबेडकर की वैचारिक विरासत... जो दिखाती है सम्यक विकास का मार्ग

श्यौराज सिंह बेचैन

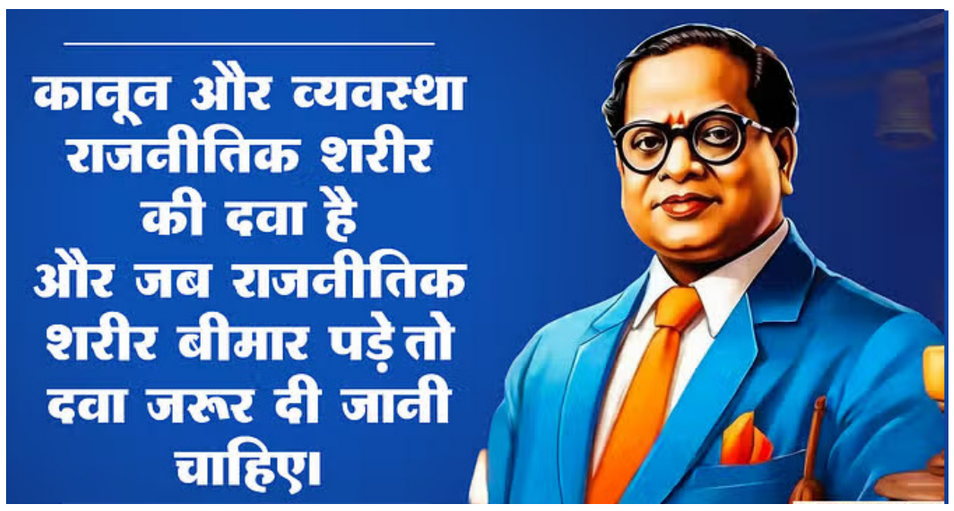

आज छह दिसंबर, डॉ. बीआर आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस है। उनके लिए शुक्रवार का एक और खास महत्व था। इस दिन उनके 'अस्पृश्यता' विरोधी आंदोलन के सहयोगी बाल गंगाधर तिलक के सुपुत्र 'श्रीधरपंत बलवंत तिलक' ने डॉ. आंबेडकर के नाम एक पत्र लिखकर शुक्रवार 25 मई, 1928 को आत्महत्या कर लीध्थी। डॉ. आंबेडकर ने बलवंत पर एक मृत्युलेख लिखा और उनके पत्र की छाया प्रति के साथ 'दुनिया' (मराठी सा.) 2 जून,ध1928 के 'तिलक' विशेषांक में बताया कि वह 'समाज समता संघ' पूना के उपाध्यक्ष थे। अस्पृश्यता का अंत करना जरूरी मानते थे। इस कारण उन्हें 'केसरी' की पत्रकारिता से पहले ही बाहर कर दिया गया था। छह दिसंबर, 1956 को डॉ. आंबेडकर चले गए। दो दिन बाद 'दैनिक मराठा' के मुख्य पृष्ठ पर एक कविता उनको श्रद्धांजलि के साथ छपी, उसका हिंदी अनुवाद है, 'अग्नि पर ही आजीवन प्रकाशित रहे, अग्नि पर ही चिर निद्रा ले रहे हो।ध्यह चिता तो बुझ जाएगी, परंतु तुम्हारा प्रकाश चिरंतन रहेगा।।' चांद सितारों की तरह उनके विचारों का प्रकाश तो दसों दिशाओं में फैला है, परंतु सूरज की भांति तेज पूर्ण प्रकाश यदि है, तो वह 'भारत का संविधान' है। हाल ही में 75वां संविधान दिवस मनाया गया है। केंद्र तथा राज्य सरकारों में पक्ष–विपक्ष सबने संविधान के प्रति अपनी आस्था प्रकट की है। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी–धर्मनिरपेक्ष शब्द को मूल ढांचे का अंग' मानते हुए प्रस्तावना से नहीं हटाए जाने की घोषणा करके संविधान निर्माताओं की दूरदृष्टि की पुष्टि की है।

आंबेडकर और संविधान को अलग करके नहीं देखा जा सकता। डॉ. आंबेडकर दक्षिण–पंथ और वामपंथ, पुरातनता और आधुनिकता की प्रतिद्वंद्विता की अतियों के बीच 'सम्यक–विकास' का मार्ग निकाल कर लाए। विगत एक–डेढ़ दशक से संविधान और आंबेडकर को लेकर समसामयिक विमर्श अधिकाधिक तीव्र हुआ है। सरकार ने ऐसे कई संविधान संशोधन प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कराए हैं, जिसके बारे में डॉ. आंबेडकर का पक्ष विचारणीय है। इनमें दो संशोधन तो आरक्षण को लेकर हैं, जिनमें एक 103वां संविधान संशोधन 2019 'दस फीसदीध्आरक्षण'ध्कोध्लेकर है।ध्संविधान के प्रति पहला सम्मान तो, सांविधानिक पदों को रिक्त न छोड़ा जाना है। दूसरा, जिन नागरिकों की माली हालत अच्छी नहीं है, उन आम नागरिकों तक भी न्याय पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। इस दिशा में संसद की सकारात्मक सक्रियता ही है, जो कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने संसद में लिखित उत्तर में बताया है, 'सुप्रीम कोर्ट से लेकर निचली अदालतों तक न्यायाधीशों के पांच हजार छह सौ ग्यारह (5,611) पद रिक्त पड़े हैं। ग्रामीण नागरिकों का सर्वाधिक वास्ता जिला न्यायालयों से ही होता है।'

सवर्ण गरीबों के लिए संविधान संशोधन संसद में सर्वसहमति से पास हुआ था। कांग्रेस, सपा, बसपा सहित वे दल, जो संविधान का रक्षक होने के दावे करते हैं और वर्तमान सरकार को संविधान विरोधी बताते हैं, उन्होंने इसे समर्थन दिया था। उसी तरह जब यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सुखदेव थोरात प्रश्न करते हैं कि एससी, एसटी में विभाजन करने से न्याय कैसे मिलेगा? शताब्दियों से अस्पृश्यता के शिकार वंचितों को समानता का लक्ष्य कैसे प्राप्त कराया जाएगा, तो कहीं से कोई उत्तर नहीं आता? एससी, एसटी में उपजाति वर्गीकरण आंबेडकर की संकल्पना के अनुकूल नहीं है। संविधान से इतर भी उनके विपुल साहित्य में इसके कोई संकेत नहीं मिलते।

डॉ. आंबेडकर ने संविधान की मसौदा समिति के सक्रिय अध्यक्ष के रूप में अपनी सेहत की कुर्बानी दी। तथापि अपने इस महान कार्य को लेकर उन्होंने अपनी आलोचनात्मक दृष्टि नहीं बदली। वे किसी खुशफहमी का शिकार नहीं हुए, बल्कि उन्होंने न केवल संविधान, अपितु लोकतंत्र के भविष्य को लेकर भी अपनी आशंकाएं व्यक्त कीं। उन्होंने स्पष्ट कहा था, 'संविधान कितना भी अच्छा हो, यदि उसे लागू करने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे, तो परिणाम अच्छे नहीं निकलेंगे।' दूसरी आशंका उन्होंने बीबीसी के ब्रिटिश पत्रकार को दिए साक्षात्कार में व्यक्त की, 'लोकतंत्र तो नाम के लिए ही रह जाएगा।' आज देखना होगा कि संविधान को लेकर विमर्श किस दिशा में जा रहा है।

संभल का सच छिपाती सरकार

अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार कांग्रेस के नेता राहुल गांधी हिंसाग्रस्त संभल (उत्तर प्रदेश) जाने के लिये बुधवार की सुबह अपनी बहन व सांसद प्रियंका के साथ निकले तो थे, लेकिन तकरीबन डेढ़ सौ किलोमीटर पहले ही गाजीपुर बॉर्डर पर उन्हें रोक दिया गया। उप्र पुलिस ने उन्हें आगे जाने की इजाजत नहीं दी। पिछले दिनों वहां की शाही मस्जिद में सर्वेक्षण को लेकर जो हिंसा हुई थी, उसका सच छिपाने के लिये उप्र तथा केन्द्र की डबल इंजिन सरकार इतनी बेताब है कि वह यह भी भूल गयी कि राहुल अब केवल रायबरेली के सांसद या एक पार्टी विशेष के नेता ही नहीं है बल्कि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। किसी घटना स्थल का दौरा करना उनका सिर्फ नैतिक कर्तव्य नहीं है वरन यह उनका संवैधानिक अधिकार भी है। यदि सरकार इस हद तक जाती है तो साफ है कि वह संभल का सच छिपाना चाहती है। सत्य के उजागर होने का डर साफ दिखाई पड़ता है। उल्लेखनीय है कि जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अन्य नेताओं व अपने काफिले के साथ दिल्ली–गाजीपुर सीमा पर पहुंचे तो वहां तैनात बड़े पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया। राहुल की कोई भी बात नहीं मानी गयी और उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं मिली। उन्होंने इस आशय का प्रस्ताव तक दिया कि वे अकेले जाने के लिये तैयार हैं और उनके साथ चाहें तो पुलिस अधिकारी चल सकते हैं। उन्हें बार–बार इस बात की दुहाई दी गयी कि वहां जाने से माहौल और बिगड़ेगा। ऊपर से ही उन्हें न जाने देने के आदेश के संकेत तो दिये गये लेकिन ऐसा कोई आदेश दिखाया नहीं गया। अंततरू राहुल–प्रियंका को लौट जाना पड़ा। एक अदालती आदेश के बाद शाही मस्जिद का, जो तकरीबन 500 साल पुरानी है, भारतीय पुरातात्विक विभाग द्वारा 24 नवम्बर को सर्वेक्षण किया गया था। पहला सर्वे शांतिपूर्ण गुजरा लेकिन जब दूसरे चरण के सर्वे के लिये वजूखाना खाली कराया गया, तो शहर में हिंसा भड़क उठी थी। इसे शांत करने के नाम अल्पसंख्यकों के खिलाफ जुल्म होने के आरोप अनेक संगठनों तथा कई विपक्षी नेताओं ने लगाये हैं। सांसद डिम्पल यादव (समाजवादी पार्टी) का आरोप है कि राज्य में विधानसभा की 9 सीटों के लिये हुए उपचुनाव के मद्देनजर भाजपा ने दंगे कराये। इसमें लगभग आधा दर्जन लोगों की पुलिस के गोली चालन से मौत हो गयी थी। अगर यह आरोप सही है तो इसका फायदा मिलता दिखा भी। भाजपा को 7 विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल हुई। उसी दौरान हुए महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान भी संभल मामले को भाजपा ने भुनाने की कोशिश की थी। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले हरियाणा के विधानसभा चुनाव में प्रचार करते हुए श्बटेंगे तो कटेंगेश का जो नारा दिया था, उसे उन्होंने झारखंड के दूसरे तथा महाराष्ट्र के प्रचार–अभियान के दौरान संभल का दृष्टांत देते हुए दोहराया था। यह अलग बात है कि उसे महाराष्ट्र में भाजपा की सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की ओर से यह कहकर खारिज कर दिया गया था कि महाराष्ट्र में यह नारा नहीं चलेगा। संभल की प्रासंगिकता बनाये रखने तथा उसका हवाला देने में सहूलियत हो, इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्एक हैं तो सेफ हैं का नारा दिया था। बहरहाल, संभल की घटना को लेकर उप्र सरकार का कहना रहा है इस हिंसा के दोषी अल्पसंख्यक हैं। यदि ऐसा होना सच भी मान लिया जाये तब तो उप्र सरकार को सभी को संभल जाने देना चाहिये ताकि यह सत्य सामने आये। ऐसा वह इसलिये नहीं कर रही है क्योंकि वह जानती है कि सच्चाई कुछ और है। धर्म स्थलों से सम्बन्धित कोई विवाद स्वतंत्र भारत की धर्मनिरपेक्ष बुनियाद को हिला न सके इसलिये 1991 में उपासना स्थल अधिनियम बनाया गया था कि 1947 की स्थिति बरकरार रखी जायेगी। यानी कि जो धर्म स्थल जिस मजहब के हैं वे उसी के बने रहेंगे। जहां तक रामजन्मभूमि का मामला था तो उसे अपवाद माना गया था क्योंकि वह पहले से न्यायाधीन था। जब से (2014 में) मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने सरकार बनाई है, तभी से उसके समर्थकों तथा कट्टर हिंदूवादियों का उत्साह आसमान पर है। वैसे तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक प्रमुख मोहन भागवत कहते हैं कि जरूरी नहीं कि रोज किसी धर्म स्थल की खुदाई की जाये, लेकिन प्रति दिन देश की किसी न किसी मुस्लिम शासनकाल की इमारत के नीचे भाजपाइयों–संघियों या अनुषांगिक संगठनों से जुड़े लोगों को मंदिर या हिन्दू धर्म स्थल दिखलाई पड़ता है। यहां तक कि विश्वविख्यात ताजमहल परिसर में वे वहां कभी हनुमान चालीसा पढ़ते हैं या फिर जल चढ़ाते हैं। भारत के स्वतंत्र होने के बाद यह प्रावधान ऐसी ही उन्मादी घटनाओं को टालने के दृष्टिकोण से किया गया था ताकि विभिन्न धार्मिक मतों वाले इस देश में इन स्थलों पर विवाद न हों। संभल के बाद अब राजस्थान की एक निचली अदालत ने अजमेर की प्रसिद्ध ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह की खुदाई के लिये भी आदेश पारित कर दिये हैं। संभल में यदि लोगों से बात होती तो ऐसी ही कई बातें सामने आतीं। वहां की हिंसा को लेकर यदि वास्तविक तथ्य सतह पर आएंगे तो यह भी साफ हो जायेगा कि इस घटना के पीछे किनका हाथ है। साथ ही यह भी पता चल सकता है कि राज्य सरकार की उसमें क्या भूमिका रही है। सत्तारुढ़ भाजपा ऐसा नहीं चाहेगी। यह भी नहीं चाहेगी कि राहुल या अन्य लोग वस्तुस्थिति का जायजा लें। ऐसा हुआ तो वह बेनकाब हो जायेगी।

कैंपस में परिधान ले सकेंगे 4 कॉलेज के विद्यार्थी

वाराणसी। बीएचयू में दीक्षांत समारोह की तैयारियां अब अंतिम दौर में हैं। 14 दिसंबर को होने वाले समारोह में पदक, उपाधि पाने वाले विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत परिधान (उत्तरीय–साफा) का वितरण संकायों में से करवाया जाएगा। खास बात यह है कि विश्वविद्यालय से जुड़े कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं को उनके कैंपस से ही परिधान मिल जाएगा। विश्वविद्यालय का 104वां दीक्षांत समारोह 14 दिसंबर को मनाया जाएगा। अब जबकि आठ दिन बचे हैं, ऐसे में परीक्षा विभाग की ओर से पदक, उपाधि पाने वालों की फाइनल सूची तैयार करने के साथ ही परिधान वितरण की दिशा में कार्रवाई तेज कर दी गई है। इस बार छात्राओं के लिए

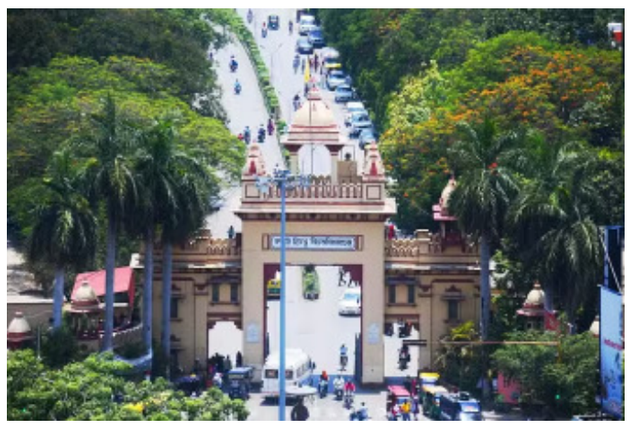

लाल बॉर्डर के साथ सफेद साड़ी और छात्रों को सफेद कुर्ता–पैजामा या फिर धोती पहनना होगा। 7 से 13 दिसंबर तक सभी छात्रों को उत्तरीय–साफा दिया जाएगा। परीक्षा विभाग की ओर से संकायवार परिधान लेने वालों की अपडेट सूची तैयार करवाई जा रही है। वसंत महिला महाविद्यालय राजघाट, आर्य महिला पीजी कॉलेज, वसंत कन्या महाविद्यालय कमच्छा, डीएवीपीजी कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए उनके कैंपस में ही परिधान भिजवाया जाएगा।

16 हजार को उपाधि 450 को मिलेंगे पदक

स्वतंत्रता भवन में होने वाले समारोह में इस बार स्नातक, स्नातकोत्तर, शोध सहित अन्य पाठ्यक्रमों से जुड़े 16 हजार विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएंगी। इसके अलावा 450 को पदक दिया जाएगा। 425 गोल्ड और 25 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल दिया जाएगा। विवि की ओर से 7 दिसंबर को एकेडमिक काउंसिल की बैठक भी बुलाई गई है। बैठक के बाद पदक, उपाधि पाने वालों की सूची पर फाइनल मुहर लगाई जाएगी।

रोज 2 घंटे की क्लीनिक में दूर होगा परीक्षा का तनाव

बीएचयू में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं को परीक्षा से जुड़े तनाव के प्रबंधन को लेकर खास पहल की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा तनाव प्रबंधन क्लीनिक की शुरुआत की है। छात्र कल्याण केंद्र में सप्ताह में छह दिन (सोमवार से शनिवार तक) दो घंटे की क्लीनिक में विद्यार्थी विशेषज्ञों से खुलकर परीक्षा संबंधी तनाव पर चर्चा करेंगे।

बोले अधिकारी

मुख्य परिसर के विद्यार्थियों को संकायों से परिधान वितरित किया जाएगा। कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए उनके कैंपस में ही वितरण की व्यवस्था करवाई गई है। विद्यार्थियों को परिधान शुल्क की रसीद दिखानी होगी। वितरण से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी करवाई जा रही हैं। चरणबद्ध तरीके से परिधानों का वितरण होगा।

34 से ज्यादा बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए 98 लाख रुपये, रिटायर्ड सब लेफ्टिनेंट को किया था डिजिटल अरेस्ट

वाराणसी। जल सेना से रिटायर्ड ऑनरी सब लेफ्टिनेंट को डिजिटल अरेस्ट कर उनके बैंक खातों से 98 लाख रुपये ट्रांसफर कराने के मामले की जांच साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने शुरू कर दी। जांच के क्रम में सामने आया है कि साइबर जालसाजों ने 34 से अधिक बैंक खातों में उनका पैसा ट्रांसफर कराया था। मामला पुराना हो जाने के कारण पुलिस को अब यह दिक्कत आ रही है कि आखिरकार उन खातों से पैसा कहां निकाला गया।

यह है पूरा मामला : सारनाथ के आशापुर क्षेत्र की माधव नगर कॉलोनी में अनुज कुमार यादव मकान बनवा कर रहते हैं। अनुज ने पुलिस को बताया कि उनके मोबाइल पर गत 11 नवंबर को उनके पास ट्राई के कथित अधिकारी का फोन आया। फिर, सुप्रीम मोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ की डीपी लगे व्हाट्स एप नंबर से कॉल आई। जालसाजों ने खुद को डॉ. चंद्रचूड़ बताते हुए कहा कि आपके बैंक खाते का इस्तेमाल नरेश गोयल मनी लॉन्ड्रिंग केस में हुआ है। फिर उनको तरह–तरह से धमका कर और गिरफ्तार करने की बात कह कर 11 नवंबर से तीन दिसंबर के बीच उनके बैंक खातों से जालसाजों ने अपने खातों में 98 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने बताया कि अनुज कुमार यादव के खातों से 14, 16 व 18 नवंबर और तीन दिसंबर को पैसा ट्रांसफर किया गया था। पड़ताल में सामने आया है कि 34 से ज्यादा बैंक खातों में पैसा गया है। बैंक खातों की संख्या अभी बढ़ भी सकती है। प्रयास किया जा रहा कि संबंधित बैंकों की मदद से खातों में बचा हुआ पैसा फ्रीज कराया जाए। साथ ही, आरोपियों को चिह्नित कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

गंगा में कूदा पति, फंदे से लटकता मिला पत्नी का शव

चंदौली। नगर पंचायत के जय प्रकाश नगर में बुधवार की रात आपसी विवाद के बाद पति ने वाराणसी के रामनगर पुल से गंगा में छलांग लगा दी। हालांकि नाविकों ने उसे बचा लिया और ट्रामा सेंटर, बीएचयू में भर्ती कराया गया। वहीं, इसी बीच उसकी पत्नी ने कमरे में फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। जयप्रकाश नगर निवासी प्रभात (30) की सात साल पहले चंदौली थाने के देवढील गांव के निवासी गुरुप्रसाद की पुत्री जूही (27) के साथ शादी हुई थी। उनका पांच साल का बेटा निशान और दो साल की बेटी अनन्या है। पति–पत्नी में अक्सर विवाद होता था। बुधवार की रात को भी दोनों में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। इस बीच गुस्से में प्रभात घर से निकला वाराणसी के रामनगर–सामनेघाट पुल पर पहुंचकर गंगा में छलांग लगा दी। पास में मौजूद नाविकों ने उसे बचा लिया। घटना की जानकारी पाकर पहुंची रामनगर पुलिस ने उसे बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। वहीं, विवाद के बाद पति घर से निकला तो पत्नी ने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। करीब एक घंटे बाद जब परिजनों ने दरवाजा खोलवाने की कोशिश की लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद धक्का देकर दरवाजे को खोला तो अंदर जूही का शव रस्सी के फंदे से लटक रहा था। परिजनों ने सूचना पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। सदर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि एक महिला ने आपसी विवाद के खुदकुशी कर ली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

स्कूली वाहन ने बच्ची को मारी टक्कर, मौत

पीडीडीयू नगर। बलुआ थाना क्षेत्र के लक्ष्मणगढ़ गांव में बुधवार को दोपहर दो बजे विपरीत दिशा में आ रहे स्कूली वाहन ने छह साल की बच्ची को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बालिका को इलाज के लिए वाराणसी ले जाते समय रास्ते उसकी मौत हो गई। वहीं, वाहन छोड़कर चालक भाग गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। लक्ष्मणगढ़ के निवासी कमलेश यादव की बेटी रिया (6) गुरेरा स्थित एक निजी विद्यालय में यूकेजी में पढ़ती थी। बुधवार को दोपहर दो बजे वह स्कूल से पैदल घर लौट रही थी। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक स्कूली वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद चालक भाग गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी और बच्ची को लेकर वाराणसी जाने लगे। हालांकि रास्ते में उसकी मौत हो गई। पिता की तहरीर पर पुलिस ने मैजिक को कब्जे में लेकर कल्याणपुर निवासी चालक रामअवध चौबे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। वहीं, घटना के बाद बच्ची के पिता कमलेश, मां साधना देवी, भाई प्रियांशु, दादा नरसिंह, दादी प्रभावती के विलाप से ग्रामीण भी गमगीन रहे। बलुआ इंस्पेक्टर डॉ. आशीष मिश्र ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर चालक की तलाश की जा रही है।

सात घंटे तक निकाला गया पानी, नहीं मिला बालक

दुलहीपुर। क्षेत्र के बावन बीघा स्थित कुएं में बालक के गिरने की सूचना पर बृहस्पतिवार को पुलिस के साथ गांव के लोग भी घंटों परेशान रहे। मोटर लगवाकर सात घंटे तक कुएं का पूरा पानी निकाला गया लेकिन बालक नहीं मिला। हालांकि, कुएं के पास किसी बच्चे की चप्पलें पड़ी थीं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बावन बीघा में अंग्रेजों के समय का पुराना कुआं है। पड़ोस में रहने वाली राधिका ने बृहस्पतिवार की सुबह 7रू30 बजे ग्रामीणों को बताया कि कुएं के पास एक बच्चा बैठा था, जो शायद कुएं में गिर गया है। कुएं के पास एक बच्चे की चप्पलें पड़ी थीं, जिससे लोगों को उसकी बात सही लगी। कुछ ही देर में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्राम प्रधान ने नौ बजे मोटर लगवाकर कुएं का पानी निकलवाना शुरू किया। इसी बीच घटना की जानकारी पाकर पुलिस भी पहुंच गई। शाम चार बजे तक कुएं का सारा पानी निकाल लिया गया। गांव का युवक जलालुद्दीन सीढ़ी डालकर कुएं के अंदर गया और काफी देर तक तलाश की लेकिन बालक नहीं मिला। ग्रामीणों में चर्चा रही कि अगर बच्चा कुएं में नहीं गिरा तो चप्पल किसकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेटे पर फर्जी तरीके से नौकरी और मां पर पेंशन लेने का आरोप

नियामताबाद। अलीनगर थाना क्षेत्र कठौड़ी गांव के अखिलेश राव के प्रार्थना पत्र और न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर उक्त गांव के ही निवासी सूरज लाल और उसकी मां उर्मिला देवी के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि बेटा सूरज फर्जी तरीके से वाराणसी के दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में माली के पद पर कार्यरत है और उसकी मां पेंशन ले रही है। अखिलेश ने न्यायालय में बताया कि कठौरी निवासी बिजेंद्र वाराणसी के पं दीनदयाल उपाध्याय राजकीय अस्पताल में सफाई कर्मचारी था। वह काम छोड़कर घर पर रहने लगा था। उसकी जगह उसका भाई सत्येंद्र कुमार नौकरी करने लगा। इसी बीच सत्येंद्र की मौत हो गई। सत्येंद्र के पुत्र सूरज लाल पर यह आरोप है कि उसने फर्जी मार्कशीट बना ली और मृतक आश्रित कोटे से नौकरी करने लगा और उसकी मां उर्मिला देवी पेंशन ले रही हैं। न्यायालय के आदेश पर विभिन्न धाराओं में एक दिसंबर को मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जाएगी।

फरवरी तक पूरा कराएं मछली मंडी का काम

चंदौली। नवीन मंडी परिसर में निर्माणाधीन स्टेट ऑफ आर्ट होलसेल फिश मार्केट की प्रगति देखने के लिए बृहस्पतिवार को मत्स्य विभाग के महानिदेशक राजेश प्रकाश, निदेशक एनएस रहमानी और उप निदेशक अनिल कुमार पहुंचे। महानिदेशक ने फरवरी तक हर हाल में निर्माण कार्य पूरा कराने की हिदायत दी। नवीन मंडी परिसर में 61.87 करोड़ रुपये से जनवरी 2023 में मछली मंडी का निर्माण कार्य शुरू हुआ था।

यूपी कॉलेज की मस्जिद-मजार में नमाज को लेकर दिया गैर जिम्मेदाराना बयान, 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर

वाराणसी। यूपी कॉलेज परिसर स्थित मजार और मस्जिद में नमाज के नाम पर गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी कर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में प्राचार्य प्रो. धर्मेंद्र कुमार सिंह ने शिवपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। प्राचार्य ने विवादित बयानबाजी का यू–ट्यूब लिंक भी पुलिस को उपलब्ध कराया है। आरोपियों में अलावल, लोहता का मुख्तार अहमद और भोजूबीर का गुलाम रसूल व 10 अज्ञात शामिल हैं। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह है मामला : प्राचार्य प्रो. धर्मेंद्र कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के संयुक्त सचिव एसएम यासीन ने उन्हें जानकारी दी है कि छह दिसंबर 2018 को उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के तत्कालीन सहायक सचिव ने यूपी कॉलेज परिसर के अंदर स्थित मस्जिद के संबंध में नोटिस जारी किया था। उस नोटिस को उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने 18 जनवरी 2021 को निरस्त कर दिया था। इससे यह स्पष्ट है कि वर्तमान में यूपी कॉलेज परिसर पर उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड का अब वक्फ संबंधी कोई भी दावा नहीं है। जो भी जमीन है, वह यूपी कॉलेज के नाम है।

BHU के डॉक्टरों ने किया 'चमत्कार' : आंत के पास फंसा था बच्चा, तीन घंटे तक चली सर्जरी, मां और नवजात की बचाई जान

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू के एमसीएच विंग में डॉक्टरों की टीम ने जटिल सर्जरी कर 25 साल की मां और नवजात की जान बचाई है। बच्चा आंत के पास पेट की थैली में फंस गया था। स्त्री रोग विभाग की डॉ. ममता सिंह के निर्देशन में 3 घंटे तक सर्जरी के बाद महिला ने बच्चे को जन्म दिया। फिलहाल मां आईसीयू और बच्चे का एनआईसीयू में इलाज हो रहा है। आईएमएस निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने टीम को बधाई दी है।

पेट की थैली में फंसा था बच्चा

आईएमएस बीएचयू के स्त्री रोग विभाग में प्रोफेसर ममता सिंह के अनुसार शनिवार को उनकी ओपीडी थी। रात में वाराणसी के भदरवा की महिला को परिजन डिलीवरी के लिए एमसीएच विंग की इमरजेंसी में लेकर आए। सोमवार को अल्ट्रासाउंड और एमआरआई करवाई गई। प्रो. ममता ने बताया कि आम तौर पर डिलीवरी से पहले बच्चा बच्चेदानी में रहता है, लेकिन महिला का बच्चा पेट की थैली में आंत के पास था। ऐसे केस बहुत कम देखने को मिलते हैं।डिलीवरी के दौरान प्लेसेंटा आंतों के ऊपर चिपकी थी। तत्काल सर्जरी का निर्णय लिया गया।

सर्जरी कर अलग किया गया प्लेसेंटा

एनीस्थीसिया टीम से बात की गई। मंगलवार को सर्जरी कर प्लेसेंटा को अलग किया गया। महिला को चार यूनिट ब्लड भी चढ़ाया गया। बच्चे का वजन 1.800 किलोग्राम रहा। टीम में उनके साथ डॉ. दीप्ति, असिस्टेंट प्रोफेसर स्त्री रोग विभाग, डॉ. नीमिषा वर्मा प्रोफेसर, एनीस्थीसिया विभाग, डॉ. अरविंद प्रताप, प्रोफेसर, जनरल सर्जरी, डॉ. शिवि जैन, प्रोफेसर रेडियोलॉजी विभाग रहे।

चार यूनिट चढ़ा ब्लड, 1.800 किलोग्राम है नवजात का वजन

प्रो. ममता ने बताया कि डिलीवरी के दौरान खेड़ी(प्लेसेंटा) आंतों के उपर चिपकी थी। तत्काल महिला की सर्जरी करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए एनीस्थीसिया टीम से बात की गई। लिहाजा मंगलवार को तीन घंटे की सर्जरी कर प्लेसेंटा को अलग किया। इस दौरान महिला को चार यूनिट ब्लड भी चढ़ाया गया। सर्जरी के बाद महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया। बच्चे का वजन 1.800 किलोग्राम रहा। प्रो. ममता ने बताया कि बहुत मुश्किल से किसी तरह खेड़ी को आंतों से अलग किया गया।

घर-घर जाकर सर्वाधिक बिल जमा कराने वाली विद्युत सखी होगी पुरस्कृत

मऊ। मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर ने कहा कि विद्युत सखी को लोगों के घर–घर जाकर बिजली का बिल जमा करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने ग्राम प्रधानों को भी अपने ग्राम सभा के लोगों को जिनका बिजली का बिल बकाया है, उनको इस योजना के बारे में बताते हुए इसका लाभ उठाने की बात कही। बताया कि जो विद्युत सखी अधिक बिजली का बिल जमा कराएंगी, उसे प्रोत्साहन राशि एवं अन्य पुरस्कार भी दिए जाएंगे। सीडीओ की अध्यक्षता में जल्दी आएं, ज्यादा लाभ पाएं एकमुश्त समाधान योजना के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में हुई। अधीक्षण अभियंता राकेश पांडेय ने बताया कि एकमुश्त समाधान योजना के तहत बिजली के बिल के भुगतान के लिए 100 फीसदी तक की छूट का प्रावधान है। इसके लिए बिजली के उपभोक्ताओं को बिजली का बिल जमा करने हेतु तीन चरणों में अलग–अलग छूट का दी गई है। पहला चरण 15 से 31 दिसंबर तक, दूसरा चरण 1 से 15 जनवरी और तीसरा चरण 16 से 31 जनवरी तक चलाया जाएगा। एक किलोवाट भार के घरेलू उपभोक्ता के मूल बकाया 5000 रुपये तक बिजली का बिल जमा करने पर एकमुश्त प्रथम चरण में 100 फीसदी, दूसरे चरण में 80 फीसदी और तीसरे चरण में 70 फीसदी की छूट दी जाएगी। इसके अलावा 10 किस्तों में जमा करने पर प्रथम चरण में 75 फीसदी, दूसरे चरण में 65 फीसदी और तीसरे चरण में 55 फीसदी की छूट का प्रावधान किया गया है। इसी तरह घरेलू उपभोक्ता को भी छूट का प्रावधान किया गया है। बताया कि इस योजना में पंजीकरण के लिए मूल बकाये कि 30 फीसदी राशि विभागीय खंड, उपखंड कार्यालय, कैश काउंटर अथवा जन सेवा केंद्र, फिंच एजेंसी के माध्यम से जमा करना अनिवार्य होगा। बैठक में अधिशासी अभियंता विद्युत सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी, विद्युत सखी एवं ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

आठ से 13 दिसंबर तक चलेगा सघन पल्स पोलियो अभियान

मऊ। आठ दिसंबर से 13 दिसंबर तक आयोजित होने वाले सघन पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए मुहम्मदाबादगोहना कस्बा स्थित उप जिलाधिकारी कार्यालय में बृहस्पतिवार को बैठक में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए अस्पताल के अधीक्षक डॉ. रामबदन ने बताया कि आठ दिसंबर से 13 दिसंबर तक शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। जिसको लेकर 21 टीमें बनाई गई हैं। विभिन्न टीम में चार स्वास्थ्य कर्मी लगाए गए हैं। विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगे। शिक्षा विभाग, बाल विकास विभाग और ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी, नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी का विशेष सहयोग रहना जरूरी है। एसडीएम हेमंत कुमार चौधरी ने कहा कि कोई भी बच्चा पल्स पोलियो से वंचित न रह सके। इस कार्यक्रम में जिन लोगों को जो भी जिम्मेदारी दी गई है। उसको पूरा करें। अगर कोई लापरवाही पाई गई तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत देवेश कुमार मिश्रा, अर्जुन कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी रामकुमार यादव, सर्वेश सिंह, सीडीपीओ संजीव कुमार सरोज शुक्ला, रंजू मौर्य आदि शामिल रहे।

दो दिन में 75.67 फीसदी हुआ मतदान

पीडीडीयू नगर। रेलवे में ट्रेड यूनियनों की मान्यता के लिए तीन दिवसीय मतदान के दो दिनों में पं. दीनदयाल उपाध्याय मंडल में 75.67 प्रतिशत रेलकर्मियों ने मतदान किया। दूसरे दिन मंडल में कुल 19 मतदान केंद्रों पर 4469 लोगों ने मतदान किया। वहीं प्लांट डिपो में दूसरे दिन 289 मतदाताओं ने मनपसंद यूनियन का चुनाव किया। तीन दिवसीय मतदान की शुरुआत बुधवार को हुई। दूसरे दिन भी रेलकर्मियों ने उत्साह पूर्वक मतदान किया। बृहस्पतिवार को पीडीडीयू मंडल के 19 बूथों पर कुल 4469 रेलकर्मियों ने मतदान किया। मंडल में कुल 13 हजार 972 मतों का यह 31.99 प्रतिशत है। पहले दिन शाम छह बजे तक 6103 रेलकर्मियों ने मताधिकार का प्रयोग किया था जो कुल मतों का 43.68 प्रतिशत रहा। इस तरह दो दिनों में कुल 10 हजार 572 रेलकर्मियों ने मताधिकार का उपयोग किया। इस तरह दो दिनों में कुल 75.67 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं प्लांट डिपो में दूसरे दिन 1270 मतदाताओं में दो बूथों पर शाम छह बजे तक कुल 289 मतदाताओं ने मतदान किया। यह कुल मतों का 22.79 प्रतिशत है। पहले दिन 564 रेलकर्मियों ने मतदान किया था। इस तरह दो दिनों में 853 लोगों ने मतदान किया। यह कुल मतों का 67.27 प्रतिशत है । शुक्रवार को केवल रनिंग स्टाफ मतदान करेंगे। इसके पूर्व पीडीडीयू पोस्ट आरपीएफ निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत ने मतदान केंद्रों पर भ्रमण किया। तीन दिवसीय मतदान के बाद 12 दिसंबर को रेलवे इंटर कॉलेज में मतों की गिनती के बाद परिणाम घोषित होगा। वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी सुरजीत सिंह ने बताया दूसरे दिन भी शांतिपूर्वक तरीके से मतदान हुए हैं।

गंगा में कूदा पति, फंदे से लटकता मिला पत्नी का शव

चंदौली। नगर पंचायत के जय प्रकाश नगर में बुधवार की रात आपसी विवाद के बाद पति ने वाराणसी के रामनगर पुल से गंगा में छलांग लगा दी। हालांकि नाविकों ने उसे बचा लिया और ट्रामा सेंटर, बीएचयू में भर्ती कराया गया। वहीं, इसी बीच उसकी पत्नी ने कमरे में फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। जयप्रकाश नगर निवासी प्रभात (30) की सात साल पहले चंदौली थाने के देवढील गांव के निवासी गुरुप्रसाद की पुत्री जूही (27) के साथ शादी हुई थी। उनका पांच साल का बेटा निशान और दो साल की बेटी अनन्या है। पति–पत्नी में अक्सर विवाद होता था। बुधवार की रात को भी दोनों में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। इस बीच गुस्से में प्रभात घर से निकला वाराणसी के रामनगर–सामनेघाट पुल पर पहुंचकर गंगा में छलांग लगा दी। पास में मौजूद नाविकों ने उसे बचा लिया। घटना की जानकारी पाकर पहुंची रामनगर पुलिस ने उसे बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। वहीं, विवाद के बाद पति घर से निकला तो पत्नी ने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। करीब एक घंटे बाद जब परिजनों ने दरवाजा खोलवाने की कोशिश की लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद धक्का देकर दरवाजे को खोला तो अंदर जूही का शव रस्सी के फंदे से लटक रहा था। परिजनों ने सूचना पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। सदर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि एक महिला ने आपसी विवाद के खुदकुशी कर ली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

चंदौली में खोला जाए केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय : दर्शना

पीडीडीयू नगर। भाजपा की राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह ने बृहस्पतिवार को सदन में चंदौली में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय खोलने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों और युवाओं के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ऐसे में पूरा विश्वास है कि चंदौली में इस विश्वविद्यालय की नींव रखी जाएगी। सांसद दर्शना सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयास से कृषि शिक्षा और किसानों के लिए नई तकनीक का विकास तेजी से हो रहा है। चंदौली पूर्वांचल का प्रमुख हिस्सा है, जो अपनी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक धरोहरों के साथ कृषि के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि चंदौली में विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन कुछ चुनौतियां भी हैं। यदि इन चुनौतियों का समाधान किया जाए, तो चंदौली कृषि, उद्योग और सामाजिक विकास के क्षेत्र में एक आदर्श जनपद बन सकता है। उन्होंने कहा कि चंदौली को भारत सरकार ने आकांक्षी जिलों में शामिल किया है, जहां की ज्यादातर आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और कृषि मुख्य व्यवसाय है। धान, गेहूं, गन्ना, मटर और आलू का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। हालांकि, यहां के किसानों को नई कृषि तकनीकों, जैविक खेती।

बाइक रोककर मनबढ़ों ने की मारपीट, छह पर मुकदमा

मऊ। मऊ में सरायलखंसी थाना क्षेत्र के नसीरपुर गांव में बुधवार की देर शाम एक युवक को दूसरे समुदाय के छह युवकों ने उसका रास्ता रोकर उससे मारपीट कर दी। इसमें युवक घायल हो गया। पुलिस ने घायल हो जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घायल की तहरीर पर दूसरे पक्ष के छह लोगों के खिलाफ नामजद सहित कुछ अज्ञात पर मुकदमा दर्ज हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। दर्ज मुकदमे के अनुसार, नसीरपुर गांव निवासी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि बुधवार को गोदाम से अपने ट्रक का मरम्मत कराकर बाइक से घर आ रहा था। अभी गांव स्थित बगीचे के पास पहुंचा ही था कि गांव निवासी कैफ, अब्दुल रहमान उर्फ भेदा, सैफ पुत्र इनामुद्दीन ने मुझे हाथ देकर रोक लिया। वह कुछ समझ पाता जब तक उन लोगों ने फोन कर अपने साथी रईस पुत्र मसीर खां लारेब पुत्र सदरे आलम, मुमताज पुत्र मुस्ताक खां सहित कुछ अन्य लोगों बुला कर मुझ पर हमला कर घायल कर दिया। आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान मेरी जेब से आधार कार्ड, पैन कार्ड, डीएल, एटीएम सहित अन्य कागजात और 15 हजार रुपये नकद गायब हो गया।

छेड़खानी के आरोपी ने लिया खौफनाक बदला, युवती के घर में घुस मचाया तांडव, एक की मौतय तीन लोग घायल

वाराणसी। आजमगढ़ के जीयनपुर थाना क्षेत्र के बछऊर गांव में बीती देर शाम छेड़खानी को लेकर विवाद हो गया। लोगों ने सभी को समझाकर मामले को शांत कराया। कुछ देर बाद छेड़खानी का आरोपी युवक कुछ लोगों के साथ लड़की पक्ष के घर घुस गया और परिवार के सदस्यों को मारने–पीटने लगा। इस घटना में जहां एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीन अन्य घायल हो गए। बछऊर गांव में गुरुवार की शाम गांव निवासी एक युवक रमेश के घर घुस गया। वह घर की लड़की के साथ छेड़खानी करने लगा। लोगों ने जब देखा तो दोनों में विवाद होने लगा। मौके पर जुटे ग्रामीणों ने दोनों पक्षों को समझा–बुझाकर मामले को शांत कर दिया। लेकिन यह बात छेड़खानी कर रहे युवक विजय को नागवार गुजरी। रात को वह अपने पिता और कुछ दोस्तों के साथ रमेश के घर में घुस गया। उन लोगों ने पूरे परिवार को मारना–पीटना शुरू कर दिया। इस घटना में रमेश (40) पुत्र नगीना राम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रीना देवी (50) पत्नी प्रेमचंद, गुंजा (18) पत्नी प्रेमचंद, अंकित (20) पुत्र प्रेमचंद घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

कार ने पीछे से मारी टक्कर, बाइक सवार एक की मौत, दूसरा गंभीर

मऊ। मऊ में सरायलखंसी थाना क्षेत्र के भवरेपुर के पास राज्य राजमार्ग पर बृहस्पतिवार की दोपहर 12रू30 बजे कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कार भी कुछ दूर जाकर सड़क एक दुकान पर रखे टायर से जाकर टकरा गई। घायलों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक ने एक को मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे घायल को वाराणसी भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने कार चालक सहित बाइक और कार को थाने लेकर आई। आजमगढ़ के मुबारकपुर थाने के अमिलो गांव निवासी अनवर कमाल (56) और एहतेशाम (44) घर से बाइक से किसी रिश्तेदार के घर जा रहे थे। अभी दोनों जनपद के सरायलखंसी थाने के भवरेपुर गांव के पास पहुंचे थे कि पीछे से आ रही एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सड़क के किनारे लगे एक पेड़ के घेरे से जाकर टकराने के बाद करीब पांच फीट नीचे गड्ढे में गिर गई। जबकि कार सड़क के किनारे एक दुकान पर रखे टायर से टकराकर रुक गई। लोगों की मदद स एंबुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां अनवर को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

जनपद स्तरीय रबी गोष्ठी एवं दो दिवसीय मिलेट्स महोत्सव/मेला का शुभारम्भ

प्रयागराज।। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (न्यूट्रीसी रियल) योजनान्तर्गत जनपद स्तरीय दो दिवसीय मिलेट्स महोत्सव का आयोजन जिला पंचायत परिसर के सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 न्यायमूर्ति इलाहाबाद हाईकोर्ट डा0 शेखर कुमार यादव रहे तथा विशिष्ट अतिथि श्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी सलाहकार,नीति आयोग एवं सदस्य शासी निकाय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नयी दिल्ली एवं डॉ0 संजय सिंह निदेशक भारतीय वानकीय अनुसंधान शिक्षा परिषद पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ समस्त अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। सर्वप्रथम उप कृषि निदेशक एस0पी0 श्रीवास्तव द्वारा अतिथियों को चन्दन की पौध प्रदान कर उनका स्वागत किया गया तथा श्री अन्न की उपयोगिता एवं इनके उन्नयन एवं शासकीय प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी, उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने श्री अन्न के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए 2018 में इसेपोषण कार्य अनाज तथा इस वर्ष को नेशनल ईयर आफ मिलेट्स घोषित किया तथा भारत सरकार के ही प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया, जिसके कारण समग्र विश्व में श्री अन्न के प्रचार प्रसार व इनके विविध व्यंजनों के निर्माण व उसकी स्वीकार्यता के सम्बन्ध में आयोजन किये जा रहे हैं। श्री अन्न में विभिन्न पोषण तत्वों से भरपूर है, अपितु जलवायु परिवर्तन के कारण हो रही मौसम सम्बन्धी प्रतिकूलताओं को भी सहन करने में सक्षम है। विशिष्ट अतिथि डा0 संजय कुमार सिंह निदेशक, भारतीय वानकीय अनुसंधान शिक्षा परिषद पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज ने विस्तारपूर्वक श्री अन्न कीउपयोगिता के बारे में प्रकाश डाला। प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद तिवारी ने श्री अन्न के माध्यम से संतुलित आहार पर जोर दिया और कहा इसके माध्यम से शरीर को स्वस्थ्य रखा जा सकता है। अपने सम्बोधन में न्यायमूर्ति डा0 शेखर कुमार यादव ने अन्न के प्रयोग को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि इसके प्रयोग से जहां एक ओर संतुलित आहार प्राप्त होगा वही मानसिक और शारीरिक उन्नयन होने से परिवार में बच्चों का विकास भी बहुमुखी होगा। उन्होंने परिवार में नारियों के सम्मान पर विशेष रूप से जोर दिया तथा कहा उन्हीं के द्वारा परिवार का समग्र सृजन होता है। कुलभाष्कर आश्रम डिग्री कालेज प्रयागराज के कृषि वैज्ञानिक डॉ0 मनीष कुमार सिंह ने मिलेट्स की तकनीकी चर्चा करते हुए बताया गया कि मोटे अनाज में ओमेगा थ्री फैटी एसिड की प्रचुर मात्रा होने के कारण यह हृदय रोगों से बचाते हैं, मिलेट शरीर में स्थित अम्लता यानी एसिड दूर करता है। इसमें विटामिन होता है जो शरीर के मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को ठीक रखता है,जिससे कैंसर जैसे रोग नहीं होते हैं। डायबिटीज को रोकने में भी सक्षम है। बाजरा खाने से स्वास संबंधित सभी रोग दूर होते हैं यह थाराइड, यूरिक एसिड, किडनी, लिवर, लिपिड रोग और अग्नाशय से संबंधित रोगों में लाभदायक है। मिलेट का उपयोग पेट के पाचन तंत्र में सुधार करने में भी मदद करते है। इन्हें खाने से गैस,कब्ज, एसिडिटी जैसे पेट के कोई रोग नहीं होते हैं। श्री अन्न अनाज पर्यावरण के प्रति सहनशील, कमजोर मिट्टी, कम पानी में पैदा होने वाले एवं कम लागत में तैयार होने वाली फसल है। शुआट्स संस्थान से आये कृषि वैज्ञानिक डा0 मनीष कुमार केसरवानी डा0 शिशिर कुमार डा0 मदनसेन सिंह, डा0 योगेश श्रीवास्तव ने श्री अन्न की खेती एवं दैनिक जीवन में उपयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी। शुआट्स संस्थान से आये कृषि वैज्ञानिकडा0 योगेश कुमार श्रीवास्तव द्वाराकार्यक्रम का संचालन किया गया तथा श्री अन्न के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारी श्री के0के0सिंह, जिला कृषि अधिकारी, श्री मुकेश कुमार, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी प्रयागराज व कृषि विभाग के समस्त कर्मचारियों के साथ–साथ भारी संख्या में जनपद के प्रगतिशील कृषकों द्वारा भारी संख्या में प्रतिभाग किया गया। अन्त में संयुक्त कृषि निदेशक, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर गोष्ठी का समापन किया गया।

जौनपुर की अटाला मस्जिद का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

प्रयागराज। हिन्दू पक्ष की याचिका की पोषणीयता को भ्ब में दी गई चुनौती। जिला जज जौनपुर ने हिंदू पक्ष की याचिका को पोषणीय माना है। मस्जिद की तरफ से वक्फ़ बोर्ड ने उच्च न्यायालय में जिला जज फैसले को चुनौती दी 9 दिसंबर को जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच में सुनवाई होगी। स्वराज वाहिनी एसोसिएशन ने जौनपुर कोर्ट में याचिका दाखिल की अटाला मस्जिद में पूजा अर्चना का अधिकार दिए जाने की मांग की याची का कहना है कि अटाला मस्जिद नहीं वह अटाला देवी मंदिर है। फिरोज ने कब्जा करके मंदिर को नष्ट कर मस्जिद बनाया था–याची मुस्लिम पक्ष ने याचिका की पोषणीयता को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

एपीएस के वार्षिक खेलकूद में ग्रीन हाउस बना विजेत

प्रयागराज। इलाहाबाद पब्लिक स्कूल, चौफटका का वार्षिक खेल दिवस समारोह शनिवार को कॉलेज प्रांगढ़ में सम्पन्न हुआ। समारोह में ग्रीन को प्रथम स्थान मिला, रेड हाउस दूसरे और ब्लू हाउस तीसरे स्थान पर रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सैय्यद कमर हसन रिजवी ने पुरस्कार वितरित किये। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सैय्यद कमर हसन रिजवी एवं विशिष्ट अतिथि जगद्गुरु रामानंदाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर राजस्थान के कुलपति प्रोफेसर रामसेवक दूबे ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। विद्यालय के अध्यक्ष विजय नारायण पाण्डेय, प्रबंधक मधु पाण्डेय ने पुष्पगुच्छ देकर अतिथियों का स्वागत किया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सं.-PRYJ-GSU-Sig-006-2024-25

ई-निविदा सूचना

डिप्टी सीएसटीई गति शक्ति यूनिट (सिग्नल और टेलीकम्युनिकेशन) के द्वारा, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फॉर्म पर खुली ई-निविदा, वर्णित खुलने की तिथि को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण इस प्रकार है।

निविदा संख्या : 006	काम की अनुमानित लागत : 10196840.30
कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडलः उत्तर मध्य रेलवे में प्रयागराज मंडल पर सोनभद्र स्टेशन पर 01 अतिरिक्त माल शेड लाइन का प्रावधान हेतु सिग्नलिंग कार्य के लिए।	
अग्रिम राशि : 201000	निविदा प्रपत्र की लागत : 0.00
समापन अवधि : बारह महीने	निविदा खुलने की तिथि : 03/01/2025

निविदा प्रपत्र की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर राशि जमा करना एवं उसका रूप : उपरोक्त लिखित अग्रिम राशि केवल इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ जमा की जानी चाहिए। निविदाकर्ता(ओं) को ध्यान देना चाहिए कि, किसी भी मामले में, उपरोक्त निर्दिष्ट के अलावा किसी अन्य रूप से धरोहर राशि स्वीकार्य नहीं होगी। बिना उचित धरोहर राशि के निविदा किसी परिस्तिथि में स्वीकार नहीं की जाएगी और पूर्णतया अस्वीकृत कर दी जाएगी।

निविदा खुलने का समय तथा स्थान : निविदा ई-निविदा के माध्यम से मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में 15.30 बजे या उसके बाद खोली जाएगी। यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश होता है, तो निविदाएं अगले कार्य दिवस को खोली जाएंगी।

निविदा की वैधता : निविदा खुलने की तारीख से 60 दिन।

निविदा से डील हेतु रेलवे के अधिकार : रेलवे प्रशासन बिना कोई कारण बताए निविदा को स्थगित/संशोधित करने या रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है

काम की समान प्रकृति : ई आई के डिज़ाइन, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग या ई आई के परिवर्तन से संबंधित कोई सिग्नलिंग कार्य। 2090/24 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

भारत स्काउट गाइड के छात्रों ने राष्ट्र भक्ति के लिए उकसाया

प्रयागराज। ब्यूरो स्काउट गाइड के माध्यम से छात्र छात्राओं में देशभक्ति,समर्पण और सामाजिकता को बढ़ावा मिलता है जो बेहतर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उक्त बातें मीना पब्लिक स्कूल देवरिया बुजुर्ग के संरक्षक अरुण कुमार श्रीवास्तव ने स्काउट गाइड के प्रथम एवं द्वितीय सोपान के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए कही। मालूम हो तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 6/12/24 से 8/12/24 तक चलेगा जिसका संचालन बलिराम राजभर जिला संगठन कमिश्नर स्काउट ने किया। इस मौके पर सहायक

प्रशिक्षक गौतम जयसवाल, सहायक ट्रेनिंग काउंसलर शिवम राजभर, ट्रेनिंग काउंसलर गाइड लक्ष्मी, करिश्मा, विजयलक्ष्मी मौजूद रहे। प्रशिक्षण शिविर में शिविर संचालक बलिराम राजभर ने काउंसलर विधि द्वारा प्रार्थना,झंडा गीत,नियम, प्रतिज्ञा, सैल्यूट,बायां हाथ मिलाना,वर्दी, ध्वज,शिष्टाचार,टेंट पिचिंग,गैजेट बनाना,मार्च पास्ट,ड्यूटी चेंज, कैम्प फायर,रात्रि गीत,तारा मण्डल,कंपास की जानकारी, अनुमान लगाना आदि की जानकारी शिविर में प्रशिक्षण ले रहे छात्र छात्राओं को दिया तथा प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण कराया गया। विद्यालय के प्रबंधक अमित कुमार श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्या श्रीमती अल्का श्रीवास्तव ने स्काउट गाइड के बच्चों को आशीर्वचन एवं प्रोत्साहन दिया।

महाकुम्भ में कुल 56 थानों का होना है निर्माण

प्रयागराज। दिव्य और भव्य महाकुम्भ के लिए योगी सरकार सुरक्षा के चाक चौबंद इंतज़ाम कर रही है। महाकुम्भ को पूरी तरह सुरक्षित महाकुम्भ बनाने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस ने कमर कस ली है। इसके लिए शुक्रवार को एडीजी प्रयागराज जोन ने महाकुम्भ मेला क्षेत्र में चौथे थाने का उद्घाटन किया। महाकुम्भ में कुल 56 थानों का निर्माण होना है। थाने का किया निरीक्षण। संगम में आस्था की डुबकी लगाने वाले करोड़ो श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिये योगी सरकार लगातार निरीक्षण और निगरानी कर रही है। स्नानार्थियों को सुरक्षित स्नान कराने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में एडीजी प्रयागराज भानू भास्कर ने अक्षय वट स्थित नवनिर्मित थाने का उद्घाटन और निरीक्षण किया। एसएसपी महाकुम्भ राजेश द्विवेदी ने बताया कि एडीजी प्रयागराज ने थाने में जवानों को मिलने वाले खाने की गुणवक्ता को भी परखा। एसएसपी कुम्भ और एडीजी प्रयगराज ने जवानों की सुविधा संबंधी व्यवस्थाओ की भी जानकारी ली। 56 थानों को होना है संचालन। मालूम हो कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मेले में कुल 56 थानों के संचालन होना है, जिसमें चार थाने बन गए है और इन थानों का उद्घाटन भी हो चुका है। शेष बचे हुए थानों का निर्माण प्रगति पर है और जल्द इसका संचनाल भी शुरू हो जाएगा। हाईलाइटर कुंभ मेले के कुल थानों की संख्यारू 56

निर्माणधीन थानों की संख्या–52

एक्सपायरी सीमेंट से छत डालने पर भयवश मकान मालिक नहीं खोल रहा शटरिंग

प्रयागराज । थाना क्षेत्र के टिकरी गांव में एक मकान मालिक ठगी का शिकार हो गया। कम्पनी द्वारा उसे एक्सपायरी सीमेंट दे दी गई और पैसा पूरा लिया गया। विश्वास पर मकान मालिक ने नहीं देखा और छत भी पड़ गई। छत पड़ने के बाद जब मकान मालिक का ध्यान सीमेंट की बोरियों में लिखी तारीख पर गया, तो उसके होश उड़ गए। पीड़ित ने अंबुजा सीमेंट कंपनी मुम्बई,जार्जटाउन प्रयागराज व एक डीलर के खिलाफ की है। टिकरी निवासी एजाज अंसारी मर्चेंट नेवी में हैं, उन्होंने अपने मकान की छत डलवाने के लिए सैकड़ों बोरी से अधिक अंबुजा सीमेंट खरीदी थी।

कम्पनी के डीलर द्वारा उनके साथ धोखाधड़ी की गई है जिसमें मकान मालिक को एक्सपायरी सीमेंट दे दी गई। शिकायत पर इंजीनियर ने मौके पर पहुंचकर पूरा नुकसान देने की बात कही है। पीड़ित का कहना है कि अब कंपनी वालों ने फोन भी उठाना बंद कर दिया है। अब मकान मालिक को डर है कि कहीं छत गिर न जाए।18 दिन बीत चुके हैं, फिर भी मकान मालिक शटरिंग नहीं खोल रहा है। भुक्तभोगी ने कोर्ट से अंबुजा सीमेंट ऑफिस जार्जटाउन प्रयागराज व मुम्बई एवं एक इंटरप्राइजेज को लीगल नोटिस भेजा है। मकान मालिक ने बताया कि यदि सुनवाई नहीं हुई तो उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई जाएगी।

चोरों ने आंगन में लगी जाली तोड़कर लाखों के जेवरात और नकदी उड़ाए

प्रयागराज । तहसील क्षेत्र के उमरी तालुका कांटी में चोरों ने एक घर की छत के आंगन में लगी जाली तोड़कर आंगन में उतरकर कमरों का ताला तोड़कर कमरे में घुसे, और वहां रखे तीन बॉक्स एवं आलमारी का ताला तोड़कर लाखों रुपए के आभूषण एवं 57 हजार रुपए नकद उठा ले गए। घर के सदस्य दूसरे कमरे में सो रहे थे, जिन्हें बाहर से बंद कर दिया गया था। रात में ही घटना की जानकारी होने पर 112 डायल पुलिस व इंस्पेक्टर कौंधियारा को सूचना दी गई। सुबह पहुंची पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर डॉग स्क्वायड एवं फोरेंसिक टीम बुलाया। विपिन तिवारी पुत्र राजेश तिवारी ने बताया कि पिता राजेश तिवारी रायपुर में आईसीआईसीआई बैंक में गार्ड की नौकरी करते हैं। भाई विवेक एक कमरे में सो रहे थे, दूसरे कमरे में बहन सो रही थी, विपिन व उनकी मां बाहर के कमरे में सोए थे। चोरों ने सभी कमरों को बाहर से बंद कर जिन कमरों में ताला बंद था, उसे तोड़कर कमरे में घुसकर आलमारी में रखे मां के आभूषण और नकदी उड़ा दिए। दो बजे के आसपास भाई विवेक उठे, तो कमरा बाहर से बंद था।

प्रतापपुर में अभी तक पांटून पुल न बनाने से व्यापारियों तथा ग्रामीणों में रोष

प्रयागराज । और कौशांबी जिले को जोड़ने वाले पांटून पुल का निर्माण कार्य शुरू न होने से ग्रामीणों व व्यापारियों में रोष व्याप्त है। अब तक एक नवम्बर से ही पुल निर्माण कार्य शुरू हो जाता रहा था। जिससे कौशांबी जिले के लोगों को प्रयागराज में सब्जियां,फलों, गुड़,बर्तन आदि लेकर शंकरगढ़,जसरा,बारा, लालापुर,कौंधियारा,घूरपुर आदि स्थानों में बेचकर अपनी कमाई करते थे,लेकिन इस बार पीपा पुल न बनने से असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि जो पीपे यहां रखे हुए थे, महाकुम्भ की वजह से उसे उठा ले गए हैं, जिससे पांटून पुल निर्माण नहीं हो सका है। प्रतापपुर में पीपे के पुल से आवागमन में काफी कम समय में दूरी तय हो जाती थी।जैसे रीवा, चित्रकूट या चाकघाट से आने वाले चारपहिया वाहनों को प्रयागराज शहर का चक्कर लगाते हुए कौशांबी, फतेहपुर जिले में जाना होता था,जिससे समय के साथ साथ ईंधन भी अधिक लगता था। इस पुल से आवागमन करने पर जाम की समस्या से निजात पाने के साथ ही कम ईंधन व कम समय में दूरी तय हो जाती रही। पुल निर्माण न होने से स्थानीय लोगों एवं व्यापारियों में जबरदस्त आक्रोश है। इस मामले में स्थानीय प्रशासन व जिला प्रशासन को जाम के झाम से बचाने के लिए अतिशीघ्र पांटून पुल निर्माण कराने की मांग की गई है।

अनियंत्रित डंफर ने तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को मारी टक्कर, लगा भीषण जाम

प्रयागराज । मिर्जापुर राजमार्ग पर गंधियाँव गांव के सामने भोर में 5 बजे मेजा की तरफ से तेज रफ्तार आ रहे डंफर ने सड़क किनारे खड़े तीन ट्रैक्टर ट्रॉलियों को जोरदार टक्कर मारी, जिससे ट्रैक्टर ट्रॉली क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि सभी चालक दुकान पर चाय पीने गए थे। टक्कर मारने वाला डंफर पूरे दिन वहीं खड़ा रहा, जिससे हादसे का डर बना हुआ था लेकिन मौके पर कोई पुलिसकर्मी नहीं पहुंचा था। मांडा क्षेत्र से तीन ट्रैक्टर इंटरलॉकिंग ईंट लादकर महाकुंभ मेले में जा रहे थे। गंधियांव गांव के सामने तीनों ट्रैक्टर चालक एक दुकान पर चाय पीने लगे। इसी बीच पीछे से आए डंफर ने तीनों ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे ट्रैक्टर ट्रॉली क्षतिग्रस्त हो गए और एक ट्रैक्टर ट्रॉली सड़क किनारे गड्ढे में चला गया। धीरे धीरे जाम की स्थिति बन गई, परन्तु इतना कुछ होने के बाद भी करछना पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। धीरे धीरे स्थिति सामान्य हुई, और वाहनों का आवागमन शुरू हुआ। राहगीरों के अलावा स्थानीय लोग भी आश्चर्य में हैं कि आखिर मौके पर पुलिस क्यों नहीं पहुंची? थाना प्रभारी करछना ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं मिली। राहगीरों ने बताया कि ओवरलोड वाहनों से वसूली करने वाले कुछ पुलिसकर्मी दिखाई दिए थे। उन लोगों ने जेसीबी मशीन बुलाकर क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से बाहर हटाया। चर्चा है कि बिना किसी कार्रवाई के ही लेन–देन कर मामले को रफा–दफा कर दिया गया है।

महिला का घर उजाड़ने में ग्राम प्रधान सहित कई अन्य पर मुकदमा दर्ज

प्रयागराज । थाना क्षेत्र के अन्तर्गत भीरपुर चौकी क्षेत्र के कटका गांव निवासी महिला सुनीता देवी पत्नी गुलाबचंद अपनी निजी भूमि पर मकान बनाकर परिजनों संग रहती थी। आरोप है कि 29 नवम्बर को ग्राम प्रधान ने दर्जनों लोगों के साथ महिला का घर उजाड़ने लगे। महिला के विरोध करने पर घर में घुसकर बदतमीजी करते हुए उसकी पिटाई भी कर दी। बीचबचाव करने आए महिला के बच्चों को भी पीट पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने एक सप्ताह बाद कटका गांव के अजीत कुमार पुत्र चौधरी, पवन निषाद पुत्र नेब्बू लाल, संतोष कुमार,गुड्डू व शिवकुमार सहित अन्य लोगों पर कार्रवाई कर जांच पड़ताल कराई जा रही है।

दूल्हे के ममेरे और फुफेरे भाई की बाइक चोरी

प्रयागराज । तहसील क्षेत्र के मांडा थाना क्षेत्र के दिघिया पुलिस चौकी क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटनाएं आम बात हो गई हैं। यहां पलक झपकते ही चोरों ने बीती रात दूल्हे के ममेरे और फुफेरे भाई की दो अलग अलग बाईकें गायब कर फरार हो गए। इससे ग्रामीणों में दहशत पैदा हो गई। हालांकि भुक्तभोगियों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कराई जा रही है। मिर्जापुर के कटारा थाना क्षेत्र के तेलियागंज बालकदास पुरवा पिंटू यादव पुत्र रामनारायण निवासी व जिगना थाना क्षेत्र के चरेथू चौखटा गांव निवासी ओमप्रकाश पुत्र उमाशंकर बीती रात मांडा के बभनी गांव स्थित मलाधर यादव की बेटी की शादी में शामिल होने आए थे। दोनों ने दुल्हन के दरवाजे के सामने अपनी बाइक खड़ी कर दी थी। इसी बीच मौके का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने दोनों बाइक गायब कर दिया और फरार हो गए। सुबह 4 बजे पीड़ितों ने देखा तो बाइक नहीं मिली। गांव से अलग अलग कंपनी की दो बाइक चोरी होने की जानकारी ग्रामीणों सहित बारातियों को हुई तो खलबली मच गई। काफी खोजबीन करने के बाद भी कोई सुराग नहीं लगा। भुक्तभोगियों ने स्थानीय पुलिस को तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई करने की मांग किया। मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन करने में जुट गई है।

अब भी सड़कों पर भटक रहे मवेशी, गौशालाएं पड़ रही कम

प्रयागराज । धीरे धीरे सर्दी ने दस्तक दे दी है। इन्सान तो अपने बचाव के लिए इंतजाम कर लेता है, परंतु सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं की तरफ किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सारा ध्यान पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया है , लेकिन अभी भी सड़कों पर काफी संख्या में गोवंश घूमते नजर आते हैं। चारे के लिए तरस रहे ये मवेशी खेतों की ओर जाते हैं तो वहां से भगाए जाने पर सड़कों की तरफ जाते हैं और वहीं पर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। आधिकारिक तौर पर विकासखंड करछना में नौ गौशालाएं हैं जिसमें से आवारा पशुओं को देखकर लगता है कि अभी भी गौशालाएं कम पड़ रही हैं। क्षेत्रवासियों ने मांग किया है कि क्षेत्र में और अधिक गौशालाओं का निर्माण कराया जाए, ताकि किसान की फसल और आवारा पशु भी सुरक्षित रह सकें।

पूर्व प्रधान कमल सिंह के अवैध निर्माण पर न्यायालय की नोटिस हुई चस्पा

प्रयागराज । क्षेत्र के ग्राम पंचायत लखनपुर मजरा हिनौती पांडेय के बंजर भूमि पर अवैध निर्माण करने वाले लखनपुर ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान को तहसील प्रशासन ने जल्द कब्जा हटाने के लिए नोटिस जारी की है। शुक्रवार को संबंधित घर पर नोटिस चस्पा कर 15 दिनों के भीतर अवैध निर्माण हटाने का मौका दिया गया है।अन्यथा की स्थिति में नोटिस के माध्यम से कहा गया है कि इसके बाद न्यायालय अतिक्रमण को मौके से हटा देगा। इस नोटिस से संबंधित पूर्व प्रधान सहित अन्य अवैध माफियाओं में हड़कंप का माहौल है।गौरतलब है कि ग्राम सभा हिनौती पांडेय के गाटा संख्या 270 जोकि खतौनी में बंजर खाते में दर्ज है,लेकिन यह सब जानते हुए भी अपने प्रधानी के कार्यकाल में पूर्व प्रधान ने भूमि पर कब्जा कर अवैध ढंग से पक्का मकान और बाउंड्री वॉल बनवा लिया है। जिस अवैध निर्माण पर अब नोटिस चस्पा कर 15 दिनों के अंदर अवैध निर्माण हटा लेने की चेतावनी दी है। लेखपाल दुर्गा प्रसाद ने बताया कि 15 दिनों के पहले अवैध निर्माण हटाने के लिए निर्देशित किया गया है। यदि संबंधित तिथि तक अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है तो उसे न्यायालय के आदेशानुसार हटवा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवालय पार्क का किया निरीक्षण

प्रयागराज। प्रयागराज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज नगर निगम द्वारा नैनी के अरैल में बनवाए जा रहे शिवालय पार्क का निरीक्षण किया । पार्क का जायजा लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने निर्माण कार्यों की प्रगति की सराहना की और इसे समय पर पूरा करने का निर्देश दिया । शिवालय पार्क महादेव को समर्पित एक भव्य स्थल है, जो भारतीय मंदिरों और पुराणों की महिमा तथा कारीगरी को दर्शाता है । 11 एकड़ के क्षेत्र में फैला यह पार्क विविधताओं से भरपूर है, जिसमें कला, प्रकृति और मनोरंजन का संगम देखने को मिलेगा । महाकुम्भ से पहले बनवाए जा रहे इस पार्क का निर्माण 14 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है । निर्माण कार्य में अधिकतर वेस्ट मटीरियल का किया जा रहा है प्रयोग शिवालय पार्क को भारत के मानचित्र के आकार में डिज़ाइन किया गया है, जिसमें सभी प्रमुख मंदिर उनके मूल स्थानों पर ही बनाए गए हैं, ताकि

आगन्तुक तीर्थ यात्रा का अनुभव कर सकें । पार्क में तुलसी वन और संजीवनी वन भी बनाया गया है । बच्चों के लिए अलग जोन बनाया जा रहा है । इसके अलावा पार्क के अंदर फूड कोर्ट और रेस्त्रां भी बनाया जा रहा है । शिवालय थीम पार्क को तैयार कराने में सबसे खास बात है कि इसमें अधिकतर वेस्ट मटीरियल का प्रयोग किया जा रहा है । इसके निर्माण कार्य में जुटी कंपनी जेड टेक इंडिया लिमिटेड के पास ही तीन साल तक इसके रख रखाव की जिम्मेदारी रहेगी। इन मंदिरों का प्रतिरूप करवाया जा रहा है तैयार सोमनाथ मंदिर (गिर सोमनाथ,गुजरात) मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर (श्रीशैलम, आंध्र प्रदेश) महाकालेश्वर मंदिर (उज्जैन, मध्य प्रदेश) ओकारेश्वर मंदिर (खंडवा, मध्य प्रदेश)बैद्यनाथ मंदिर (देवघर, झारखंड)भीमाशंकर मंदिर (भीमाशंकर, महाराष्ट्र) रामनाथस्वामी मंदिर (रामेश्वरम, तमिलनाडु) नागेश्वर मंदिर (द्वारका, गुजरात) काशी विश्वनाथ मंदिर (वाराणसी, उत्तर प्रदेश) त्र्यंबकेश्वर मंदिर। नासिक, महाराष्ट्र।केदारनाथ मंदिर (रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड।घृष्णेश्वर मंदिर (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) महत्वपूर्ण शिव मंदिरः बैजनाथ मंदिर – बैजनाथ, हिमाचल प्रदेशपशुपतिनाथ मंदिर – काठमांडू,नेपाल लिंगराज मंदिर – भुवनेश्वर, ओडिशावीरभद्र मंदिर – लेपाक्षी, आंध्र प्रदेशशोर मंदिर – महाबलीपुरम, तमिलनाडु

श्रद्धालुओं के लिए बेहद सस्ता और सुलभ होगा सार्वजनित आश्रय स्थल – सीएम योगी

प्रयागराज। महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने के उद्देश्य से योगी सरकार तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए हरसंभव प्रयास कर रही है। योगी सरकार सर्दी के कठोर मौसम में श्रद्धालुओं के ठहराव और उनकी सुरक्षा के लिए का पूरा ध्यान रख रही है। इसी के मद्देनजर मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ ने शनिवार को मेला क्षेत्र में 250 बेड की क्षमता वाले 100 सार्वजनिक आश्रय स्थलों का उद्घाटन किया। इसके साथ ही, इसके साथ ही, महाकुंभ मेला क्षेत्र में कंप्यूटरीकृत खोया –पाया केंद्र की भी शुरुआत की गई। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ जैसे भव्य आयोजन के दौरान तीर्थयात्रियों और आगंतुकों की भारी संख्या को देखते हुए सार्वजनिक आश्रय स्थलों की आवश्यकता महत्वपूर्ण होती है। परंपरागत रूप से तीर्थयात्री और साधु–संत खुले स्थानों या परि संचरण क्षेत्रों में समय बिताते हैं, जिससे सर्द मौसम में उनके लिए कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने 25,000 बेड की कुल क्षमता वाले सार्वजनिक आश्रय स्थलों की व्यवस्था की है। इन आश्रय स्थलों का उद्देश्य तीर्थयात्रियों को न केवल आरामदायक और सुरक्षित ठहराव प्रदान करना है, बल्कि उनकी यात्रा को सुलभ और सुविधाजनक भी बनाना है। आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं सभी आश्रय स्थल। महाकुंभ के लिए तैयार किए गए सार्वजनिक आश्रय स्थलों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। इनमें प्रत्येक आश्रय स्थल पर 250 बेड की क्षमता होगी। बेड के

साथ गद्दे, तकिए और साफ चादरें उपलब्ध कराई जाएंगी। पुरुष और महिलाओं के लिए अलग–अलग शौचालय और स्नानघर की व्यवस्था की गई है। इन आश्रय स्थलों में नियमित सफाई, जिसमें चादरों का परिवर्तन शामिल है, सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा, स्वच्छ पेयजल और चौबीस घंटे (24x7) सुरक्षा के प्रबंध किए गए हैं। इन सुविधाओं का उपयोग श्रद्धालु नाममात्र शुल्क पर कर सकेंगे, जिससे महाकुंभ में सभी वर्गों के लोगों को ठहरने का विकल्प मिलेगा। श्रद्धालुओं के लिए बेहद सस्ता और सुलभ होगा सार्वजनिक आश्रय स्थल। सार्वजनिक आश्रय स्थलों के उपयोग के लिए शुल्क की व्यवस्था सरल और सुलभ रखी गई है।

सामान्य दिनों में, श्रद्धालुओं को पहले दिन के लिए 100 रुपये और दो दिन रुकने पर पहले दिन 100 रुपये और दूसरे दिन 200 रुपये का भुगतान करना होगा। मुख्य स्नान पर्व और उसके आसपास के दिनों में, यह शुल्क पहले दिन के लिए 200 रुपये और दो दिन के ठहराव के लिए पहले दिन 200 रुपये और दूसरे दिन 400 रुपये होगा। श्रद्धालु नकद या डिजिटल माध्यम (न्च्प्) से भुगतान कर सकते हैं, जिसके बाद उन्हें टिकट जारी किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह पहल विशेष रूप से उन तीर्थयात्रियों के लिए है, जो होटल, गेस्ट हाउस या निजी शिविर का खर्च नहीं उठा सकते। इन सार्वजनिक आश्रय स्थलों से न केवल उनकी यात्रा किफायती बनेगी, बल्कि वे सर्द मौसम में आराम और सुरक्षा का अनुभव भी कर सकेंगे। सीएम योगी ने महाकुंभ मेला क्षेत्र में कंप्यूटरी कृत खोया–पाया केंद्र का किया उद्घाटन।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।